{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 05 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 312
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,428.95
निफ्टी	-	24,614.90
सोना	-	1,52,275
चांदी	-	2,35,000
डॉलर	-	95.07

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर संसद में हंगामा

खड़गे बोले- सरकार चंदा चोरी पर जवाब दे : रिजिजू ने कहा- विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई।

इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर कैश, चढ़ावा, गहने और जमीन से जुड़े गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। संसद में इसकी घोषणा खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। खड़गे ने कहा कि पीएम ने ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी और वे राम मंदिर के हर महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होते रहे हैं। खड़गे ने सवाल किया कि ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां इस मामले में क्या कर रही हैं। सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सालों तक भगवान राम और राम मंदिर का विरोध करती रही हैं। राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। आज वही लोग चंदा चोरी का नाटक कर रहे हैं। रिजिजू ने कहा कि राम विरोधी लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए।

गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग पर अड़ा विपक्ष, प्रश्नकाल बाधित

संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को भी गतिरोध जारी रहा। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। विपक्ष जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और कथित फायरिंग के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन में उपस्थित होकर जवाब देने की मांग कर रहा था। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने तथा प्रश्नकाल के दौरान नारेबाजी नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल संसदीय कार्यवाही का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसमें जनहित से जुड़े मुद्दों पर सवाल पूछे जाते हैं।

खास खबर

चांदीपुरा वायरस से अब तक 22 मौतें

अहमदाबाद। गुजरात में चांदीपुरा वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे राज्य सरकार की चिंता बढ़ गई है। इस वायरस से अबतक 22 लोगों की मौत हो गई है। राज्य में वायरस से जुड़े 184 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से जांच के बाद 35 मरीजों में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है।जबकि 11 सैंपल के नतीजे आने अभी बाकी हैं। वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य तंत्र को अलर्ट कर दिया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया के मुताबिक अब तक 184 मरीजों, जिनमें संदिग्ध मामले भी शामिल थे, उनके खून के सैंपलकी जांच की गई। इनमें से 35 लोगों में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि अब तक इस संक्रमण से 22 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सात मरीज अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। जहां उनका इलाज सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की निगरानी में किया जा रहा है।

एक साल में 56 बॉडीबिल्डरों की मौत

नई दिल्ली। साल 2025 में अकेले 56 बॉडीबिल्डरों की जान गई, जिनमें ज्यादातर 30 की उम्र के थे और आधे से ज्यादा की मौत दिल से जुड़ी वजहों से हुई। इनमें पंजाब के मशहूर बॉडीबिल्डर-अभिनेता वरिंदर सिंह घुमन भी शामिल थे, जिनका कंधे की सर्जरी के दौरान कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। दिसंबर में एक उभरते ब्राजीलियाई एथलीट का भी महज 25 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से दिल जवाब दे गया, अपने आखिरी मुकाबले के कुछ ही दिनों बाद उनकी जान चली गई और भारत में एक पावरलिफ्टर 330 पाउंड बेंच प्रेस और 770 पाउंड डेडलिफ्ट करने के तुरंत बाद सीने में तेज दर्द के बाद कार्डियक अरेस्ट से मुकाबले के दौरान ही गिर पड़ा।

आईएसआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिगों समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 3 अवैध पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस और पेट्रोल से भरी 4 बोतलें, जिन्हें बम के रूप में इस्तेमाल किया जाना था बरामद की गई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इन युवकों को आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा था। उन्हें सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी करने, अवैध हथियार जुटाने और पंजाब में शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने जैसे कार्य सौंपे गए

पीएम आवास तक नहीं जा पाए केजरीवाल, दिल्ली पुलिस को ई20 पेट्रोल के खिलाफ पेटिशन सौंप की मांग

जनता पर ई-20 पेट्रोल न थोपे सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल का प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च संपन्न हो गया है। उन्होंने ई-20 पेट्रोल के खिलाफ लाई गई पेटिशन को दिल्ली पुलिस की गाड़ी में रख दिया है। पार्टी जल्दी ही अगले कदम की घोषणा करेगी। केजरीवाल आज पीएम आवास के लिए मार्च कर रहे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें फिरोजशाह रोड पर रोक दिया था, जिसके बाद आप के नेता धरने पर बैठ गए थे।

केजरीवाल के साथ मनीष सिसोदिया और संजय सिंह भी थे।

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी भी केजरीवाल के इस मार्च में शामिल

रही। इससे पहले केजरीवाल ने कहा था कि आज हम 2 लाख से ज्यादा पेटिशन लेकर प्रधानमंत्री आवास जा रहे हैं। हमारे साथ 100 ऐसे लोग हैं जिनकी गाडियां ई20 ने खराब कर दीं। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री जनता की आवाज जरूर सुनेंगे। अरविंद केजरीवाल की केंद्र सरकार से मांग है कि या तो ई-20 पेट्रोल को वापस लिया जाए या फिर इसके दाम 85 रुपए प्रति लीटर किए जाएं। साथ ही लोगों को विकल्प दिया जाए कि वो अपनी मर्जी के हिसाब से शुद्ध पेट्रोल या इथनोल मिक्सड पेट्रोल गाडियों में भरवां सकें।

थाईलैंड-दिल्ली एअर इंडिया फ्लाइट में भयानक टर्बुलेंस अचानक नीचे उतरने लगा विमान, कई यात्री घायल

किसी का कान फटा, किसी का कंधा खिसका...

नई दिल्ली। नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एआई2379 उड़ान मंगलवार को भीषण टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। अचानक आए तेज झटकों के कारण कई यात्री घायल हो गए। कुछ यात्रियों के कान में चोट लगी, जबकि कुछ को गर्दन और कंधे में चोटें आईं। राहत की बात यह रही कि विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, टर्बुलेंस के दौरान विमान अपनी निर्धारित ऊंचाई से करीब 300 फीट नीचे आ गया था। इस घटना में करीब 15 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें उतरने के बाद चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों ने बताया कि दिल्ली में लैंडिंग से कुछ समय पहले विमान अचानक तेजी से नीचे आने लगा और जोरदार झटके महसूस हुए। इससे विमान के अंदर अफरा-तफरी मच गई और कई यात्रियों को सीटों तथा केबिन से टकराने के कारण चोटें आईं। कुछ यात्रियों ने बताया कि अचानक दबाव (केबिन प्रेशर) में बदलाव के कारण उनके कानों में तेज दर्द हुआ, जबकि कुछ को गर्दन और कंधे में चोट लगी। एक यात्री ने कंधे में तेज झटका लगने की बात कही है। एयरलाइन ने बताया कि कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें मेडिकल जांच और देखभाल के लिए एयरपोर्ट स्थित मेडिकल सुविधा केंद्र भेजा गया है, जहां एयर इंडिया की एयरपोर्ट टीम और मेडिकल स्टाफ उनकी हेल्प कर रहे हैं।

जांच शुरू

एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंपनी प्रभावित यात्रियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है और घटना की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है और सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

देशभर में बारिश से अलग-अलग घटनाओं में 11 लोगों की मौत, 14 घायल

नई दिल्ली, । देशभर में बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सोमवार को बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। 14 घायल हुए हैं। मरने वालों में बिहार के अलग-अलग जिलों के 7 और बंगाल के हावड़ा के 4 लोग शामिल हैं। उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। सड़क पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके कारण करीब 200 यात्री फंस गए। हरियाणा के अंबाला और झज्जर में रात भर बारिश हुई। इससे सड़कें तालाब बन गईं। दुकानों में पानी घुस गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपी के आगरा में रात 1 बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भरा है। स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बाराबंकी में दो घंटे की तेज बारिश से बस स्टेशन पर पानी भर गया। ऋषिकेश में गंगा वॉर्निंग लेवल के पास पहुंच गई है, जिससे एसडीआरएफ की घाटों पर तैनाती बढ़ा दी है। आरती घाट डूब गए हैं। लोगों को दूर रहने की अपील की जा रही है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 घायल हुए। बात दें जगतबल्लवपुर में खेतों में काम कर रहे लोगों पर बिजली गिरने से 2 किसानों की मौके पर मौत हो गई और 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीएपीएफ में आईपीएस प्रतिनियुक्ति कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

याचिकाकर्ताओं का दावा- नया कानून सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसले को निष्प्रभावी करने का प्रयास

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह कानून केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति संबंधी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णय को निष्प्रभावी करने का असंवैधानिक प्रयास है।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ 34 सीएपीएफ अधिकारियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं ने अधिनियम को संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 21 के साथ-साथ शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन बताते हुए इसे असंवैधानिक घोषित करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 23 मई 2025 को संजय प्रकाश बनाम भारत संघ मामले में निर्देश दिया था कि सीएपीएफ में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड तक आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति वाले पदों को निर्धारित अवधि के भीतर चरणबद्ध तरीके से कम किया जाए। अदालत ने यह भी माना था कि सीएपीएफ को केवल गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन (एनएफएफयू) तक सीमित नहीं, बल्कि कैडर समीक्षा सहित सभी सेवा संबंधी मामलों में संगठित ग्रुप-ए सेवाओं का दर्जा प्राप्त होना चाहिए।

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इसके बाद संसद द्वारा पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) अधिनियम, 2026 न्यायालय के उसी निर्णय के प्रभाव को समाप्त करने का प्रयास करता है। अधिनियम की धारा 3 के अनुसार, किसी भी न्यायालय के किसी भी निर्णय, डिक्री या आदेश के बावजूद केंद्र सरकार अधिसूचना जारी कर सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति और सेवा शर्तों से संबंधित नियम बना सकेगी। कानून में यह भी प्रावधान किया गया है कि सभी सीएपीएफ में महानिरीक्षक (आईजी) के 50 प्रतिशत पद, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के कम से कम 67 प्रतिशत पद तथा विशेष महानिदेशक (स्पेशन डीजी) और महानिदेशक (डीजी) के सभी पद आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे।

याचिका में कहा गया है कि संसद को पूर्व प्रभाव से कानून बनाने का अधिकार अवश्य है, लेकिन वह किसी न्यायिक निर्णय की आधारभूत कानूनी स्थिति बदले बिना केवल कानून बनाकर उसे निष्प्रभावी नहीं कर सकती।

तृषा टिप्पणी मामले में उदयनिधि स्टालिन को मिली राहत

-मद्रास हाईकोर्ट ने तत्काल रिहाई के दिए निर्देश

चेन्नई। तृषा टिप्पणी विवाद में तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार को हिरासत के कुछ घंटों बाद ही बड़ी राहत मिली। दरअसल मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को निर्देश दिया कि पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें उसी दिन स्टेशन बेल पर रिहा किया जाए। अदालत का यह आदेश उनकी गिरफ्तारी के कुछ ही समय बाद आया, जिसके कारण इसे बड़ी राहत माना जा रहा है।

उदयनिधि स्टालिन को कावेरी जल विवाद पर आयोजित एक जनसभा में दिए गए भाषण के दौरान की गई कथित विवादित टिप्पणी के सिलसिले में हिरासत में लिया गया था। इस टिप्पणी को कई लोगों ने अभिनेत्री तृषा और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ उनके संबंधों से जोड़कर यौन संकेत के रूप में देखा, जिसके बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और विभिन्न दलों ने इसकी आलोचना की। नीलांकरई स्थित आवास पर पुलिस पहुंचने के बाद उदयनिधि की कानूनी टीम ने मद्रास हाईकोर्ट का रुख करते हुए अग्रिम जमानत याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु के एडवोकेट जनरल विजय नारायण ने अदालत को बताया कि उदयनिधि को तंजावुर पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस न्यायिक हिरासत की मांग नहीं कर रही है और पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें स्टेशन बेल पर रिहा करने की योजना है। एडवोकेट जनरल के इस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार को ही स्टेशन बेल पर रिहा किया जाए।

कुछ ना कहना

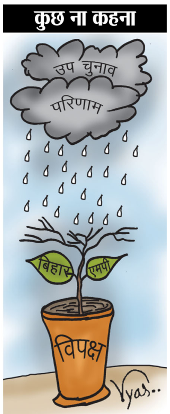

डाबर के 100 प्रतिशत शुद्ध दावे पर एफएसएसएआई की सख्ती

शहद-घी समेत कई उत्पादों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रमुख एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड के कई खाद्य उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी है। कार्रवाई उन उत्पादों पर की गई है, जिन्हें कंपनी 100 प्रतिशत शुद्ध, 100 प्रतिशत नेचुरल, 100 प्रतिशत प्योरिटी गारंटीड, 100 प्रतिशत ऑर्गेनिक जैसे दावों के साथ बेच रही थी। एफएसएसएआई ने इन दावों को भ्रामक बताते हुए कंपनी से 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट मांगी है।

एफएसएसएआई की कार्रवाई की जद में डाबर के कई लोकप्रिय उत्पाद आए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से शहद, गाय का घी, ऑर्गेनिक हनी, हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर, होममेड कोकोनट मिल्क, अन्य ऐसे खाद्य उत्पाद, जिन पर 100 प्रतिशत वाले दावे किए गए थे।

जैविक भारत लोगो का गलत उपयोग

जांच में पाया गया कि डाबर हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर और डाबर ऑर्गेनिक हनी पर जैविक भारत का लोगो लगाया गया था, जबकि इसके लिए आवश्यक वैध एफएसएसएआई ऑर्गेनिक प्रमाणन उपलब्ध नहीं था। वहीं डाबर होममेड कोकोनट मिल्क जैसे मिश्रित उत्पाद पर 100 प्रतिशत शुद्ध का दावा किया गया था। एफएसएसएआई के नियमों के अनुसार मिश्रित खाद्य पदार्थों पर इस प्रकार का दावा करना अनुमत नहीं है।

एफएसएसएआई का रुख

एफएसएसएआई का कहना है कि खाद्य उत्पादों पर किए जाने वाले दावे स्पष्ट, सत्यापित और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित होने चाहिए। 100 प्रतिशत जैसे पूर्ण दावे तभी किए जा सकते हैं जब उन्हें प्रमाणित किया जा सके। अन्यथा ऐसे दावे उपभोक्ताओं को गुमराह करने की श्रेणी में आते हैं। फिलहाल प्राधिकरण ने संबंधित उत्पादों की बिक्री रोकने के साथ कंपनी से 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

भारत में खुलेंगे 15 विदेशी विश्वविद्यालय, यूजीसी ने दी अनुमति

नई दिल्ली। भारत ने उच्च शिक्षा के विस्तार को लेकर बड़ा कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 15 विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस खोलने की अनुमति दे दी है। इन संस्थानों में ऑस्ट्रेलिया, इटली, अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के विश्वविद्यालय शामिल हैं।

ये विदेशी विश्वविद्यालय भारत के प्रमुख शहरों में अपने परिसर स्थापित करेंगे। स्वीकृत शहरों में बेंगलुरु, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई और चेन्नई जैसे अहम शैक्षिक और व्यावसायिक केंद्र शामिल हैं। यह कदम भारत को एक वैश्विक शैक्षिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम प्रयास है। यूजीसी ने इन विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपनी शाखाएं खोलने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए थे। इन निर्देशों का पालन करने वाले विश्वविद्यालयों को ही मंजूरी दी गई है। यह तय करेगा कि भारत में खुलने वाले विदेशी कैंपस उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करें और स्थानीय नियामक निकायों के मानकों का पालन करें। इन विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खुलने से भारतीय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे।

इससे न केवल विदेशी शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या कम होगी, बल्कि यह भारत में शिक्षा की गुणवत्ता को भी बढ़ाएगा। साथ ही, यह विभिन्न देशों के साथ शैक्षिक सहयोग को भी बढ़ावा देगा। यह पहल भारत को उच्च शिक्षा के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने में मदद करेगी। छात्रों को विभिन्न देशों के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और शोध के अवसरों तक पहुंच मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यह स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और भारत में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करेगा।

जनसुनवाई में सुनी गईं आवेदकों की समस्याएँ

116 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 04 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुमार सत्यम की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल, विजय यादव तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 116 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में कटंगी विकासखंड के अंतर्गत बावनथडी गुरूकुल हायर सेकेण्डरी स्कूल बम्हनी की छात्रा शाला प्रबंधन समिति की सदस्य के साथ स्कूल की बुनियादी सुविधाओं के संबंध में शिकायत लेकर आयी थी। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने छात्राओ के कक्षा छोडकर जनसुनवाई में आने को लेकर नाराजगी जताई और उन्होंने छात्राओ को वापस स्कूल जाने कहा। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन को निर्देशित किया कि शाला के समय में छात्राओ को जनसुनवाई में भेजने वाले विद्यालय के प्राचार्य का 02 दिन का वेतन काटने की कार्यवाही करे। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को छात्राओ द्वारा बतायी गई समस्याओ का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये और यह भी सुनिश्चित करने कहा कि शाला के समय में कोई भी छात्र छात्रा जोखिम उठाकर जनसुनवाई आदि में न आए। यदि ऐसी स्थिति निर्मित होगी तो संबंधित संस्था के प्राचार्य एवं प्रधानपाठक पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील की निवासी फुलकन्या सारंगपुरे अपनी पारिवारिक पेंशन 8 माह से बंद होने की शिकायत लेकर आयी थी। उसका कहना था कि उसकी पेंशन उसके एसबीआई किरनापुर शाखा स्थित खाते में नहीं आ रही है, जिससे आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। फुलकन्या ने बताया कि इस संबंध में शिकायत के बावजूद भी बैंक द्वारा कोई कार्यवाही की जा रही है। अत‍ फुलकन्या की पेंशन पुनः बहाल करायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जिले के खेलकूद प्रशिक्षण शिक्षक अतिथि शिक्षक वर्ग-03 में सत्र 2026-27 के लिए च्वाइस फिलिंग शुरू करने की मांग लेकर आये थे। शिक्षकों का कहना था कि विषय शिक्षकों की तरह उन्हें भी च्वाइस फिलिंग का अवसर दिया जाना चाहिए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गए।

तिरोड़ी तहसील के निवासी जाकिर हुसैन प्रधानमंत्री आवास योजना की 23 हजार रुपए की बकाया राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसने अपना मकान निर्माण कर लिया है, किंतु उसे योजना के तहत 23 हजार रुपए की राशि कम प्राप्त हुई है। इस संबंध में शिकायत करने पर संबंधित विभाग वर्क कोड जनरेट नहीं होने का हवाला देकर भुगतान टाल रहा है। अत‍ शीघ्र 23 हजार रुपए की बकाया राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ कटंगी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील के वार्ड नं.05 लहरी नगर के किशोर मेश्राम पिछले एक माह से नलजल योजना के तहत लगाये गए नल से पानी नही मिलने की शिकायत लेकर आये थे। किशोर का कहना था कि उसने प्रधानमंत्री नलजल योजना के तहत घर में नल कनेक्शन लगाया है, किंतु पिछले एक माह से उसे नल से पानी नही मिल पा रहा है, जिससे घर के लोगो को पानी की समस्या का सामना करना पड रहा है। अत‍ शीघ्र नल से पानी न मिल पाने की समस्या का समाधान किया जाए। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम रजेगांव निवासी कैलाश कारे जर्जर मकान को गिराने की मांग लेकर आये थे। कैलाश का कहना है कि संयुक्त स्वामित्व वाले पुराने मकान की हालत बेहद खराब है, लेकिन उनके भाई प्रताप कारे उसे गिराने नहीं दे रहे हैं। कैलाश ने बताया कि मकान कभी भी गिर सकता है, जिससे जन-धन की हानि होने की आशंका है। उन्होंने संभावित दुर्घटना की जिम्मेदारी अपने भाई पर बताते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम भाण्डामुर्री के मनोज कटरे पुलिया निर्माण कार्य में लगी मिक्चर मशीन का भुगतान ना किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। मनोज का कहना था कि उसने वर्ष 2023-24 में भाण्डामुर्री में पुलिया निर्माण कार्य में अपनी मिक्चर मशीन लगाया था। जिसका भुगतान उसे अब तक नही किया गया है। उसका कहना है कि निर्माण का भुगतान सरपंच व प्रभारी सचिव ने बिल लगाकर प्राप्त कर लिया है किंतु उसे उसकी मशीन की राशि प्राप्त नही हुई है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लालबर्रा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दिघोरी की निवासी जीवनकला दमाहे प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम जोडे जाने की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि उसका मकान पूर्णत‍ जीर्णशीर्ण हो चुका है और कभी भी गिर सकता है। जीवनकला ने बताया कि वह गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाली महिला है जिसके दो बच्चे है और वह मजदूरी कर अपने बच्चो का पालन पोषण करती है। अत‍ जीवनकला का प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम दर्ज कराया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत धनसुआ के पंच भागवत प्रसाद आखरदान मैदान में बाजार लगाने के प्रस्ताव पर मंजूरी देने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था आखरदान मैदान में बाजार लगाने के लिए पंचायत के सभी पंचों की सहमति से प्रस्ताव पारित होने के बावजूद ग्राम पंचायत सचिव उसे आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। इससे बाजार शुरू करने की प्रक्रिया अटकी हुई है और ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। अत‍ शीघ्र प्रस्ताव पारित किया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बैहर तहसील के जनजातीय बाहुल्य ग्राम हट्टा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला संजारी के विद्यार्थियों के पालकगण विद्यालय में पदस्थ शिक्षक के स्थानांतरण की मांग लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला संजारी में पदस्थ शिक्षक श्री बखरू सिंह धुर्वे अध्यापन कार्य करने में सक्षम नही है। शिक्षक की तबियत आये दिन खराब रहती है, उन्हें विद्यालय में नींद लग जाती है जिसके कारण वे ठीक से अध्यापन कार्य नही करा पा रहे है। इससे बच्चो को अध्ययन करने में कठिनाईयो का सामना करना पड रहा है। अत‍ शिक्षक बखरू सिंह धुर्वे की जगह अन्य शिक्षक को पदस्थ किया जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया के बीएससी फाइनल के अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र छात्रा वर्ष 2023-24 की छात्रवृत्ति नही मिलने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि उन्हे प्रतिवर्ष कॉलेज से छात्रवृत्ति का मिलने का प्रावधान है, किंतु उन्हें वर्ष 2023-24 की छात्रवृत्ति अब तक प्राप्त नही हुई है, जिसकी वजह से उन्हें कॉलेज फीस जमा करने में परेशानियो का सामना करना पड रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन से संपर्क किया गया किंतु कोई कार्यवाही नही की गई तथा सीएम हेल्पलाइन लगाने पर कॉलेज द्वारा शिकायत वापस लेने का दबाव डाला जाता है। अत‍ छात्र छात्राओ ने शासन से शीघ्र छात्रवृत्ति प्रदाय किये जाने की मांग की है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा माँ का साया, घरेलू विवाद में नवविवाहिता लगाई फांसी

पति के काम धंधे पर न जाने से परेशान थी महिला, नवेगांव थाना के मगरदर्रा का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मगदर्रा में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक नवविवाहिता ने अपने ही घर पर फाँसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि अभी, नवविवाहिता की मौत की वजह साफ नहीं है लेकिन बताया गया कि नवविवाहिता, पति के शराब पीने की आदत और खर्च के लिए रूपए नहीं देने से परेशान थी।मृतिका के चाचा ने मौत पर संदेह जाहिर करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।उधर पति ने पत्नी के मायके पक्ष के आरोप से इंकार किया है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने नवविवाहिता का शव बरामद कर मंगलवार को जिला अस्पताल मे पोस्टमार्टम कराया, वहीं अन्य आवश्यक कार्यवाही के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

6 वर्ष पूर्व हुआ था विवाह, 2 बच्चो के सर से उठा माॅ का साया

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2000 में छोटी कुम्हारी निवासी दीक्षा का विवाह मगदर्रा निवासी योगेश उईके के साथ हुआ था। जिसके 2 बच्चे है।बताया गया कि सोमवार की रात, नवविवाहिता दीक्षा पति योगेश उईके (27) ने घर के छत में बने हुक में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।बताया गया कि जब पति योगेश उईके रात में घर लौटा तो देखा कि कमरे का दरवाजा और लाईट बंद थी। जब वह कमरे का दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचा और लाईट चालु की तो उसने देखा कि पत्नी दीक्षा फांसी के फंदे पर लटकी है।

मामले की निष्पक्ष जांच की जाए-भलावी

मृतिका दीक्षा के चाचा इठोबा भलावी ने बताया कि पति-पत्नी में विवाद हुआ करता था। भतीजी बताती थी कि आपका दामाद शराब पीता है और खर्च के लिए रूपए नहीं देता है। जिसे हमने समझाया भी था लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया। एक दिन पहले ही भतीजी दीक्षा ने फोन करके बेटी और अपनी मां से बात की थी कि वह मायके आने वाली है और दूसरी रात ही उसकी मौत की सूचना मिली। जिस पर हमें संदेह है, हमारी मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर, दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

आत्महत्या क्यो की पता नही-योगेश

मामले को लेकर पति योगेश ने बताया कि उनके बीच कभी कोई बड़ा झगड़ा नही हुआ, उसने सोमवार को ही पत्नी को पांच सौ रूपए दिए थे और अब मैने शराब पीने का भी कम कर दिया है।फाँसी लागाकर आत्महत्या क्यो की इसकी कोई जानकारी नही है।

पीएम के बाद ही स्पष्ठ हो पाएगी मौत की वजह

नवविवाहिता के मौत वाले मामले में अब तक मौत की वजह स्पष्ठ नही हो पाई है।ग्रामीण पुलिस ने बताया कि सूचना के बाद मृतिका के शव को बरामद करने के बाद अभी उसका पीएम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है, जांच और पीएम के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी।

अमानक उर्वरक के क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर लगाया गया प्रतिबंध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अधिसूचित प्राधिकारी एवं उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बहुउद्देश्यीय प्राथमिक साख समिति भण्डेरी विकासखण्ड बैहर एवं बहुउद्देश्यीय प्राथमिक साख समिति सालेटेका विकासखंड खैरलांजी की संस्था से लिये गए उर्वरक सिंगल सुपर फास्फेट के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाये जाने पर बैच क्रमांक डीडब्ल्यूआरएम 26/जी/02/जून 26 एवं बैच क्रमांक डीडब्ल्यूआरएम 26/बीजी/02/जून 26 के जिले में उक्त लॉट के उर्वरक के क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है। उर्वरक निरीक्षक द्वारा 06 जुलाई को भण्डेरी बैच के सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए गुण नियंत्रण प्रयोगशाला सागर भेजे गए थे। इसी प्रकार एवं 03 जुलाई को सालेटेका से एकत्र किये गए उर्वरक के नमूने गुण नियंत्रण प्रयोगशाला इंदौर जांच के लिए भेजे गए थे। उर्वरक उत्पादक कंपनी मेसर्स आर एम फास्फेट एंड केमिकल्स प्रा.लि. मुम्बई महाराष्ट्र द्वारा निर्मित उक्त उर्वरक के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए जाने के कारण यह कार्यवाही की गई है। उर्वरक निर्माता कंपनी को भी नोटिस जारी किया गया है कि उनके द्वारा अमानक पाये गए लॉट का उर्वरक कहॉ कहॉ कितनी मात्रा में प्रदाय किया गया है। निर्माता कंपनी को 07 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष

शराब भट्टी के पास चाकूबाजी
दो युवक गंभीर घायल- हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम कोसमी स्थित शराब भट्टी के समीप पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। मारपीट और चाकूबाजी की इस घटना में

दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायल युवक फिरोज खान पिता हनीफ खान 28 वर्ष ग्राम कोसमी थाना ग्रामीण और अब्दुल रहमान पिता अनवर हुसैन 18 वर्ष वार्ड नंबर 16 बालाघाट निवासी है।इस मामले की जांच ग्रामीण पुलिस द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल फिरोज खान फल बेचने का व्यवसाय करता है, जबकि दूसरा घायल अब्दुल रहमान कपड़े की दुकान संचालित करता है। दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद और रंजिश चली आ रही थी।बताया गया कि 3 अगस्त की रात लगभग 11 बजे फिरोज खान अपने साथियों के साथ घूमने निकला था। उसी दौरान अब्दुल रहमान अपने साथी रहमान के साथ मोटरसाइकिल से नवेगांव की ओर लौट रहा था। जैसे ही वह कोसमी स्थित किआ शोरूम के सामने पहुंचा।वहां फिरोज खान, छोटू खान, यश धुर्वे तथा उनके अन्य साथियों ने उसे रोक लिया।आरोप है कि फिरोज खान ने कुछ बात करनी है कहकर अब्दुल रहमान को शराब भट्टी के पास ले गया। जहां पुराने विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज हुई और फिरोज खान ने कथित तौर पर बीयर की बोतल अब्दुल रहमान के सिर पर दे मारी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान फिरोज खान पर भी चाकू से पेट में वार किए गए।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। चिकित्सकों ने फिरोज खान की गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं अब्दुल रहमान का प्राथमिक उपचार करने के बाद 4 अगस्त को उसे भी बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा गया।ग्रामीण पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी है।जांच पूरी होने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

10 वर्ष से फरार स्थायी वारंटी पुलिस के हत्थे चढ़ा

वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के मामले में रुपझर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की रुपझर पुलिस ने वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के एक मामले में पिछले 10 वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। गिरफ्तार वारंटी मोहपत पिता मेहतर पन्द्रे 55 वास ग्राम नारंगी निवासी है। लंबे समय से फरार इस स्थायी वारंटी की गिरफ्तारी को पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। रूपझर पुलिस के अनुसार आरोपी मोहपत पन्द्रे ग्राम नारंगी निवासी के विरुद्ध वर्ष 2016 में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 51 एवं 52 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। यह मामला माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बैहर के न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 873/2016 के रूप में विचाराधीन है।प्रकरण दर्ज होने के बाद से आरोपी मोहपत लगातार न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था और लगभग 10 वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी मोहपत की अनुपस्थिति को देखते हुए न्यायालय ने 5 अगस्त 2025 को उसके विरुद्ध स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद से पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी, लेकिन वह पुलिस की पकड़ से बाहर था।पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बैहर के मार्गदर्शन में थाना रुपझर पुलिस ने फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि मोहपत पंद्रे उकवा एवं आसपास के क्षेत्र में देखा गया है।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम नारंगी एवं उकवा क्षेत्र में घेराबंदी कर तलाश शुरू की। रेंज ऑफिस चौक, उकवा में आरोपी की पहचान सुनिश्चित करने के बाद गवाहों की मौजूदगी में मोहपत को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना नियमानुसार उसके परिजनों को दी गई तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी मोहपत को न्यायालय में पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धूमकेती के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक जयदयाल पटले, प्रधान आरक्षक आनंद वरकड़े, आरक्षक कृष्णकुमार यादव, आरक्षक अभिषेक कोष्टी तथा गोपनीय सैनिक शिवनाथ मेरावी की उल्लेखनीय भूमिका रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे फरार आरोपियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

नाम सूधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै लिलकुराम पंचेश्वर(LILKURAM PANCHESHWAR) पिता रघुनाथ पंचेश्वर(RAGHUNATH PANCHESHWAR) वार्ड न. 17 ग्राम परसाही पोष्ट रेलवाही तह. बैहर जिला बालाघाट (म.प्र.) का निवासी हुं।

मेरे ड्राईविंग लाइसेंस क्रमांक **MP50-2011-0013793** में त्रृटिवश मेरा नाम लिखुराम (LIKHURAM) पिता फागुलाल(PHAGULAL) जन्म तिथि 24-06-1982 दर्ज है जो कि गलत है, जबकि मेरा सही नाम लिलकुराम पंचेश्वर(LILKURAM PANCHESHWAR) पिता रघुनाथ पंचेश्वर(RAGHUNATH PANCHESHWAR) जन्म तिथि 01-01-1987 है।

अत: मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में मेरा सही नाम लिलकुराम पंचेश्वर पिता रघुनाथ पंचेश्वर जन्म तिथि 01-01-1987 दर्ज किया जावें एवं मुझे इसी नाम से जाना पहचाना पढां व लिखा जावें।

लिलकुराम पंचेश्वर(LILKURAM PANCHESHWAR)
पिता रघुनाथ पंचेश्वर(RAGHUNATH PANCHESHWAR)
वार्ड न. 17 ग्राम परसाही पोष्ट रेलवाही
तह. बैहर जिला बालाघाट(म.प्र)

अब बालिग महिला, पुरुष और बालिकाओं की गुमशुदगी पर भी दर्ज होने लगे आपराधिक प्रकरण

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बदली प्रक्रिया, बालाघाट जिले के सभी थानों में लागू हुई नई व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अब किसी वयस्क महिला या पुरुष के लापता होने की सूचना केवल गुमशुदगी के रूप में दर्ज नहीं होगी। बल्कि अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत तत्काल प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर विधिवत विवेचना की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में यह नई व्यवस्था बालाघाट जिले सहित प्रदेश के सभी पुलिस थानों में लागू कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली द्वारा एसएलपी क्रमांक 11263/2025 (जी. गणेश बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य) में 22 मई 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में भारत सरकार गृह मंत्रालय के पत्र दिनांक 8 जून 2026 तथा पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश की महिला सुरक्षा शाखा के 10 जुलाई 2026 के निर्देशों के तहत गुमशुदगी दर्ज करने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था के अनुसार 22 मई 2026 के बाद यदि किसी वयस्क महिला या पुरुष के गुम होने की सूचना पुलिस को प्राप्त होती है तो संबंधित थाने में गुम इंसान दर्ज करने के साथ ही अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य प्रत्येक गुमशुदगी की गंभीरता से जांच सुनिश्चित करना तथा किसी संभावित अपराध की आशंका को प्रारंभिक स्तर पर ही ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्रवाई करना है।अब तक पुलिस में मुख्यत: नाबालिग बालक एवं बालिकाओं के गुम होने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपहरण का मामला दर्ज कर जांच की जाती थी। जबकि वयस्कों की गुमशुदगी सामान्यत: गुम इंसान के रूप में दर्ज होती थी। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद इस व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया गया है।इसी क्रम में बालाघाट जिले के सभी पुलिस थानों में भी नई प्रक्रिया लागू कर दी गई है। अब किसी बालिग बालिका, महिला अथवा पुरुष के गुम होने की सूचना मिलने पर पुलिस गुमशुदगी दर्ज करने के साथ साथ अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की विधिसम्मत जांच प्रारंभ की जा रही है।पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस नई व्यवस्था से गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश में तेजी आएगी जांच अधिक प्रभावी होगी तथा संभावित आपराधिक घटनाओं का समय रहते खुलासा करने में सहायता मिलेगी। साथ ही गुमशुदा व्यक्तियों के परिजनों को भी कानूनी प्रक्रिया के तहत अधिक प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई का लाभ मिल सकेगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

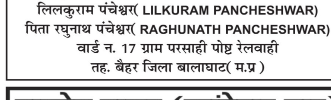

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

श्रमिकों का शक्ति प्रदर्शन,17 अगस्त को ,राष्ट्रव्यापी आंदोलन की तैयारियां तेज भारतीय मजदूर संघ की बैठक में बनी रणनीति, रैली निकालकर सौपेंगे ज्ञापन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत 17 अगस्त को नगर में भी श्रमिकों का बड़ा शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलेगा।आंदोलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई, की महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय, बस स्टैंड में जिलाध्यक्ष योगेश यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आंदोलन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई और जिलेभर के श्रमिकों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 17 अगस्त को दोपहर 12 बजे बस स्टैंड, बालाघाट में पंडाल लगाकर आंदोलन का शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे विशाल श्रमिक रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी। यहां जिले के विभिन्न विभागों एवं संगठनों से जुड़े श्रमिकों की समस्याओं तथा लंबित मांगों को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष योगेश यादव ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रहित, उद्योग हित, श्रमिक हित के अनुरूप लगातार श्रमिकों के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष करता रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार तक श्रमिकों की आवाज प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए यह आंदोलन महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिले के सभी श्रमिकों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में आंदोलन में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।बैठक में जिलामंत्री मनोज सोहागपुरे, जिला उपाध्यक्ष अजय सेलोकर, मिड डे मील रसोईया संघ की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती लीला नगपुरे, राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अशोक बिसेन, चालक-परिचालक संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप सोनी, प्रीतेश बोपचे, ताहिर खान, ताज खान, न्याजमीर खान, विक्की यादव, वरिष्ठ कार्यकर्ता वाई.के. शुक्ला, मध्यप्रदेश विद्युत आउटसोर्स कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र मरठे, जिलामंत्री मनीष लुटे सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर को बुलाइए... ज्ञापन उन्हें ही दूंगी

शराब दुकान हटाने सड़क पर उतरीं अनुभा मुंजारे, बोलीं अब आश्वासन नहीं, फैसला चाहिए, 114 दिन से आंदोलनरत महिलाओं के साथ जनसुनवाई पहुंचीं अनुभा, नवागत कलेक्टर को बुलवाकर ही रखी मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक 12 और 13 में वर्षों से संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग अब जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। लगातार 114 दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी महिलाओं के आंदोलन को मंगलवार को नया मोड़ उस समय मिला, जब बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे स्वयं महिलाओं के साथ सड़क पर उतर आईं। उन्होंने महिलाओं के साथ पैदल रैली निकाली, नारे लगाए और सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन के सामने शराब दुकान हटाने की मांग को जोरदार तरीके से रखा। इस दौरान सबसे अहम दृश्य तब देखने को मिला, जब जनसुनवाई में नवागत कलेक्टर की अनुपस्थिति पर विधायक ने अधिकारियों से तत्काल कलेक्टर सत्यम कुमार को बुलाने के लिए कहा। कुछ ही देर बाद कलेक्टर स्वयं जनसुनवाई कक्ष पहुंचे, जहां विधायक ने महिलाओं के साथ उन्हें ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले से अवगत कराया।

करीब चार महीने से अधिक समय से बूढ़ी शराब दुकान के सामने धरने पर बैठी महिलाएं लगातार दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग कर रही हैं। आंदोलन के दौरान महिलाओं ने धरना, रैली, सांकेतिक प्रदर्शन और जनजागरूकता अभियान जैसे कई प्रयास किए, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका। बरसात के मौसम में भी महिलाएं अपना आंदोलन जारी रखे हुए हैं और किराए के एक परिसर में बैठकर रोजाना शराब दुकान हटाने की मांग कर रही हैं। कलेक्ट्रेट पहुंचकर विधायक अनुभा मुंजारे ने नवागत कलेक्टर को बताया कि 114 दिनों से महिलाएं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रही हैं, लेकिन जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने अब तक उनकी मांगों पर गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान कई बार असामाजिक

तत्व धरना स्थल पर पहुंचकर महिलाओं को डराने और धमकाने का प्रयास करते हैं, लेकिन प्रशासन उनकी सुरक्षा और समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रहा। विधायक ने कहा कि यदि प्रशासन चाहता तो इस विवाद का समाधान कई महीने पहले ही निकल सकता था, लेकिन लापरवाही और उदासीनता के कारण आंदोलन लगातार लंबा खिंचता जा रहा है। उन्होंने कलेक्टर से आग्रह किया कि वे स्वयं मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की वास्तविक स्थिति देखें और स्थानीय लोगों की परेशानी को समझें। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र घनी आबादी वाला आवासीय इलाका है, जहां वर्षों से शराब दुकान संचालित होने के कारण महिलाओं, बच्चों और स्थानीय परिवारों को सामाजिक और सुरक्षा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर परिवार और स्कूली बच्चे रहते हों, वहां शराब दुकान का संचालन उचित नहीं कहा जा सकता। विधायक अनुभा मुंजारे ने सरकार के नशे से दूरी है जरूरी अभियान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर सरकार नशा मुक्ति का संदेश दे रही है, वहीं दूसरी ओर शराब दुकान हटाने की मांग कर रही महिलाओं की आवाज को अनसुना किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में सरकार नशा मुक्त समाज बनाना चाहती है तो सबसे पहले ऐसे संवेदनशील स्थानों से शराब दुकानों का स्थान परिवर्तन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को यह भी याद दिलाया कि जिले में पहले भी कई शराब दुकानों का स्थान परिवर्तन किया जा चुका है। ऐसे में बूढ़ी क्षेत्र की शराब दुकान को हटाने में आखिर क्या बाधा है, इसका जवाब प्रशासन को देना चाहिए। मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक ने कहा कि जनता के संघर्ष में शामिल होना किसी भी जनप्रतिनिधि की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे किसी राजनीतिक कार्यक्रम के तहत नहीं, बल्कि एक जनप्रतिनिधि और आम नागरिक के रूप में महिलाओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची हैं। जनता की समस्या को प्रशासन तक पहुंचाना उनका कर्तव्य है और आगे भी वे हर जनहित के मुद्दे पर लोगों के साथ खड़ी रहेंगी। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में अलग ही तस्वीर देखने को मिली। विधायक अनुभा मुंजारे महिलाओं के साथ पैदल रैली में शामिल हुईं, नारे लगाए और जनसुनवाई कक्ष में भी आम नागरिकों की तरह हाथ में आवेदन लेकर अधिकारियों के सामने खड़ी रहीं। नवागत कलेक्टर की अनुपस्थिति पर उन्होंने अधिकारियों से तत्काल उन्हें बुलाने का आग्रह किया और कलेक्टर के पहुंचने के बाद ही ज्ञापन सौंपा। पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक गलियारों से लेकर आम लोगों के बीच खासा ध्यान आकर्षित किया। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि 114 दिनों से चल रहे इस आंदोलन पर नवागत कलेक्टर क्या निर्णय लेते हैं और वर्षों से विवादों में घिरी बूढ़ी शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर प्रशासन कब तक कोई ठोस फैसला करता है।

365 छात्रों का भविष्य अधर में, शिक्षक मांगने कलेक्ट्रेट पहुंचे नौनिहाल

बम्हनी गुरुकुल स्कूल में शिक्षकों का भारी संकट, छात्र बोले पढ़ाई नहीं, अब अपने अधिकार बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और मूलभूत सुविधाओं का संकट अब इतना गहरा गया है कि छात्र-छात्राओं को किताब-कॉपी छोड़कर अपने भविष्य की लड़ाई लड़ने जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ रहा है। बीते कुछ महीनों से जिले के अलग-अलग हिस्सों से लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां कहीं शिक्षकों का टोटा है तो कहीं जर्जर भवन में पढ़ाई कराई जा रही है। अब एक और मामला कटंगी विकासखंड के शासकीय बावनथड़ी गुरुकुल हाई सेकेंडरी विद्यालय, बम्हनी से सामने आया है, जहां दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और स्कूल की बदहाल व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। जनसुनवाई में पहुंची छात्रा नैंसी मानकर और बच्चों के अभिभावक नरेंद्र ने बताया कि जिला पंचायत के अधीन संचालित शासकीय बावनथड़ी गुरुकुल हाई सेकेंडरी विद्यालय में वर्तमान में लगभग 365 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप शिक्षक नहीं हैं। कई महत्वपूर्ण विषयों के नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं होने के कारण पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। कई बार एक ही शिक्षक को अलग-अलग विषय पढ़ाने पड़ते हैं, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। विशेष रूप से बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का भविष्य संकट में है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में केवल शिक्षकों की ही कमी नहीं है, बल्कि कई मूलभूत सुविधाएं

भी पर्याप्त नहीं हैं। पढ़ाई का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है। कई बार जिला पंचायत, शिक्षा विभाग और प्रशासन को आवेदन देकर समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। मजबूरी में अब विद्यार्थियों को स्वयं जिला मुख्यालय पहुंचकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगानी पड़ रही है। छात्रा नैंसी मानकर ने बताया कि शिक्षकों की कमी के कारण नियमित पढ़ाई नहीं हो पा रही है। कई विषयों की कक्षाएं सप्ताहों तक नहीं लगतीं, जिससे परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर शिक्षा देने के दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। यदि समय रहते शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई तो सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में चला जाएगा। वहीं अभिभावक नरेंद्र ने बताया कि यह विद्यालय केवल बम्हनी गांव के लिए नहीं, बल्कि हरदोली, बोनकट्टा, औजनबिहारी, दिग्धा, चाकहेटी सहित आसपास के 8 से 10 गांवों के विद्यार्थियों की शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। इन गांवों से बच्चे प्रतिदिन 8 से 10 किलोमीटर का सफर तय कर विद्यालय पहुंचते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में कोई दूसरा हाई सेकेंडरी विद्यालय नहीं है।ऐसे में यदि यहां शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है तो हजारों ग्रामीण परिवारों के बच्चों का भविष्य सीधे प्रभावित होगा। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के साथ लगातार उपेक्षा की जा रही है। शहरों के स्कूलों में जहां पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हैं, वहीं गांवों के बच्चे आज भी शिक्षकों और मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई और विद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले समय में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी प्रभावित होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की होगी। जनसुनवाई में विद्यार्थियों ने जिला प्रशासन से मांग की कि विद्यालय में सभी रिक्त पदों पर तत्काल शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, विद्यालय की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। उनका कहना था कि शिक्षा उनका अधिकार है और उन्हें अपने अधिकार के लिए सड़कों पर नहीं उतरना पड़ना चाहिए। अब पूरे जिले की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि 365 विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस गंभीर मामले में क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं। यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो यह केवल एक विद्यालय की समस्या नहीं रहेगी, बल्कि ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की विफलता का बड़ा उदाहरण बन जाएगी।

मांगें नहीं मानीं तो लौटा देंगे पीडीएस मशीनें, बंद कर देंगे राशन वितरण

कमीशन, वेतन और लंबित भुगतान को लेकर राशन विक्रेताओं का अल्टीमेटम, बोले अब आर-पार की लड़ाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में शासकीय उचित मूल्य की राशन दुकानों का संचालन करने वाले विक्रेताओं, सहकारी समिति कर्मचारियों और महिला स्व-सहायता समूहों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। वर्षों से लंबित भुगतान, घटते कमीशन और कलेक्टर दर से वेतन नहीं मिलने से नाराज कर्मचारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि यदि जल्द उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो वे राशन वितरण की पीडीएस मशीनें जमा कर सामूहिक हड़ताल पर चले जाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। प्राथमिक सहकारी समिति कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने शासन के नाम ज्ञापन सौंपकर कहा कि वर्तमान व्यवस्था में उचित मूल्य दुकानों का संचालन करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। शासन द्वारा निर्धारित कई भुगतान आज तक नहीं किए गए हैं, जिससे समिति कर्मचारियों और महिला स्व-सहायता समूहों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। संघ के पदाधिकारी सूर्यकांत नगपुरे और मानसी गौतम ने बताया कि उचित मूल्य की राशन दुकानों के लिए शासन द्वारा निर्धारित 10,500 रुपये मासिक कमीशन के स्थान पर वर्तमान में लगभग 8,500 रुपये ही दिए जा रहे हैं। वह राशि भी कटौती के बाद मिलती है और पिछले लगभग चार माह से उसका भुगतान तक नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार घटते कमीशन के कारण राशन दुकानों का संचालन घाटे का सौदा बन गया है।उन्होंने कहा कि कोरोना काल में संचालित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना-1 एवं 2 के तहत मिलने वाला एक-तिहाई कमीशन आज तक विक्रेताओं को नहीं मिला है। कई बार विभागीय अधिकारियों और शासन के समक्ष यह मुद्दा उठाया गया, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ है। पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि शासन के स्पष्ट आदेश के बावजूद समिति कर्मचारियों, कनिष्ठ विक्रेताओं, नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को कलेक्टर दर के अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है। इसके कारण वर्षों से कार्य कर रहे कर्मचारी आर्थिक तंगी में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि राशन दुकानों के संचालन के लिए मिलने वाली प्रबंधकीय अनुदान राशि भी लंबे समय से नहीं दी जा रही है, जबकि शासन ने इसके भुगतान के आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित राशन दुकानों के लिए अब तक शासकीय भवन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, जिससे उन्हें किराए के भवनों में अतिरिक्त खर्च उठाकर कार्य करना पड़ रहा है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शासन लगातार नई जिम्मेदारियां तो सौंप रहा है, लेकिन उनके अनुरूप आर्थिक सहायता और भुगतान नहीं किया जा रहा। ऐसी स्थिति में उचित मूल्य दुकानों का संचालन करना लगातार कठिन होता जा रहा है।सूर्यकांत नगपुरे ने कहा कि आज कई महिला विक्रेता इतनी आर्थिक परेशानी से गुजर रही हैं कि उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करना भी मुश्किल हो गया है। पहले जो कमीशन दस हजार रुपये से अधिक मिलता था, वह लगातार घटता गया और अब समय पर भुगतान भी नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने वाले कर्मचारियों की ही अनदेखी की जा रही है। मानसी गौतम ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शासन ने शीघ्र सभी लंबित भुगतान नहीं किए और वेतन व कमीशन संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो जिलेभर के विक्रेता और समिति कर्मचारी अपनी पीडीएस मशीनें शासन को लौटाकर राशन वितरण पूरी तरह बंद कर देंगे। उन्होंने बताया कि आंदोलन की तैयारी पूरी कर ली गई है और आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल और अनशन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि आज वे प्रतीकात्मक रूप से मशीनें लेकर पहुंचे थे, लेकिन फिलहाल शासन को अंतिम अवसर दिया जा रहा है। यदि जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में जिलेभर की उचित मूल्य राशन दुकानों का संचालन प्रभावित हो सकता है।

पानी में डुबने से हुई मृत्यु उपरांत मृतक की माता को 04 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता तहसील के ग्राम टाकाबर्रा के निवासी दिव्यांश इनवाती की 20 अप्रैल 2026 को नाले के पानी में डुबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 06-04 के प्रावधानों के तहत उसकी वारिस माता हेमलता इनवाती को 04 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर हेमलता इनवाती के बैंक खाते में ईपेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

अंधविश्वास ने छीन ली मजदूर की जिंदगी

सांप के डंसने के बाद रातभर चलता रहा झाड़ फूंक, अस्पताल पहुंचने से पहले बिगड़ी हालत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंधविश्वास और झाड़ फूंक के भरोसे इलाज कराने की कीमत एक परिवार को अपनों की जान देकर चुकानी पड़ी। बालाघाट जिले के लामता थाना अंतर्गत चरेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम गर्जनटोला में जहरीले सांप के डंसने के बाद समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाने से 45 वर्षीय मजदूर कैलाश पिता गणपत टेकाम की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त अंधविश्वास और चिकित्सकीय उपचार में देरी के गंभीर परिणामों को उजागर करती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश टेकाम अपने परिवार के साथ मजदूरी कर जीवन यापन करता था। परिवार में पत्नी प्रमिला टेकाम तथा दो छोटे बच्चे हैं। 3 अगस्त की रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद वह अपने घर में तख्त पर सो गया था। रात लगभग 11:30 बजे उसकी गर्दन पर जहरीले डांडेकार सांप ने डंस लिया। सांप के काटने के बाद परिजन घबरा गए। लेकिन उसे तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय

गांव में ही झाड़ फूंक और देसी उपचार कराने लगे। करीब पूरी रात झाड़ फूंक का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान कैलाश की हालत लगातार बिगड़ती गई लेकिन उसे अस्पताल नहीं ले जाया गया। आखिरकार 4 अगस्त की सुबह लगभग 8:30 बजे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन जहर पूरे शरीर में फैल जाने के कारण दोपहर लगभग 1 बजे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई प्रारंभ की। शव का पोस्टमार्डम करा कर परिजनो को सोप दिया गया।

जागरूकता के बावजूद नहीं टूट रहा अंधविश्वास

स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों को समझाया जाता है कि सांप के काटने पर झाड़ फूंक या देसी उपचार में समय गंवाने के बजाय मरीज को तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए। इसके बावजूद जिले के कई गांवों में आज भी लोग झाड़ फूंक पर भरोसा करते हैं।जिसके कारण हर वर्ष कई लोगों की जान चली जाती है।कैलाश टेकाम की मौत केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि अंधविश्वास के कारण बुझा एक परिवार का सहारा है। पत्नी ने अपना जीवनसाथी खो दिया जबकि दो बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। यह दर्दनाक घटना समाज को यह संदेश देती है कि सांप के काटने जैसी आपात स्थिति में केवल वैज्ञानिक और समय पर मिला चिकित्सकीय उपचार ही जीवन बचा सकता है। अंधविश्वास नहीं।

आस-पास की खबरें

नगपुरा के हायर सेकेण्डरी स्कूल के समीप नहर का पुलिया क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत नगपुरा में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के समीप नहर की पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। पुलिया की सुध न लिये जाने के

कारण यहां हर समय गंभीर दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। जिम्मेदारों की इस अनदेखी को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में रोष व्याप्त है। नगपुरा स्थित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के पास से गुजरी नहर के ऊपर आवागमन के लिए सड़क और सुरक्षा के लिहाज से दोनों तरफ पुलिया (सुरक्षा दीवार) का निर्माण किया गया था। ताकि नहर में पानी होने पर भी लोग सुरक्षित रूप से आवाजाही कर सकें। वर्तमान में नहर की एक साइड की पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। लेकिन इस क्षतिग्रस्त पुलिया का अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं अत्यंत संवेदनशील बात यह है कि दुर्घटनाग्रस्त स्थान के ठीक समीप ही शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल और ग्राम पंचायत भवन स्थित है। रोज़ाना दर्जनों स्कूली छात्र-छात्राएं और ग्रामीण इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। नहर में पानी छोड़े जाने की स्थिति में यह स्थान और भी खतरनाक हो जाता है। यदि पुलिया के पास से गुजरते समय कोई वाहन अनियंत्रित होता है या किसी ब'चे का संतुलन बिगड़ता है, तो वे सीधे उफनती नहर में गिर सकते हैं, जिससे बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों और जिम्मेदारों द्वारा अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं करवाया गया है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि किसी संभावित हादसे का इंतजार किये बिना, जल्द से जल्द इस क्षतिग्रस्त पुलिया का जीर्णोद्वार करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

डाक घर का स्थान परिवर्तन होने से लोग हो रहे परेशान

जनपद पंचायत कार्यालय के समीप संचालित हो रहा डाकघर (पोस्ट ऑफिस), नये स्थान पर सूचना बोर्ड लगाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा मुख्यालय स्थित डाक घर (पोस्ट ऑफिस) कार्यालय के स्थान परिवर्तन होने से दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों और उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में पोस्ट ऑफिस कार्यालय राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स के पीछे संचालित हो रहा था। जिसे हाल ही में नये जनपद पंचायत कार्यालय के समीप स्थानांतरित कर दिया गया है। नये स्थान की सही जानकारी न होने के कारण दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोग आज भी पुराने स्थान पर ही पहुंच रहे हैं। पुराने भवन पर स्थान परिवर्तन की सूचना एक छोटे से कागज पर लिखकर चिपका दी गई है। जो दूर से दिखाई भी नहीं देती है। क्षेत्रीयजनों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभाग को बड़े बैनर-पोस्टर या फ्लैक्स के माध्यम से स्पष्ट जानकारी अंकित करनी चाहिए थी, ताकि लोगों को भटकना न पड़े।

आधार कार्ड एवं बैंकिंग कार्यों के लिए भटक रहे उपभोक्ता

आपकों बता दे कि लालबर्रा का डाक घर (पोस्ट आफिस) कार्यालय करीब 30 वर्ष से राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के पीछे डाक घर (पोस्ट आफिस) कार्यालय संचालित हो रहा था। वहीं इस स्थान पर आधार कार्ड सहित अन्य बैंकिग कार्य होते थे। लेकिन गत दिवस कार्यालय का स्थान परिवर्तन कर दिया गया है और वर्तमान में नये स्थान जनपद कार्यालय के समीप डाक घर कार्यालय संचालित किया जा रहा है। लेकिन उक्त स्थान पर सूचना बोर्ड नही होने एवं पुराने स्थान पर कार्यालय नये स्थान पर चले जाने का कोई बड़ा सूचना बोर्ड लगा हुआ नही है जिसके कारण दुर-दराज से आधार कार्ड बनाने सहित अन्य कार्य से आने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह से नये स्थान पर नेम (सूचना) बोर्ड न होने के कारण सबसे अधिक परेशानी ब%चों का आधार कार्ड बनवाने, उसमें संशोधन करवाने, पोस्ट आफिस की बैंकिंग व अन्य सेवाओं का लाभ लेने आने वाले उपभोक्ताओं को हो रही है। वहीं सही पता न मिलने के कारण कई ग्रामीण बिना काम करवाये ही बैरंग लौटने को मजबूर हैं। पोस्ट ऑफिस के उपभोक्ताओं एवं क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि नये कार्यालय भवन के सामने तथा पुराने स्थान पर स्पष्ट व बड़े अक्षरों में नया पता दर्शाने वाला सूचना बोर्ड लगाये जिससे आम जनता को हो रही असुविधा से राहत मिल सके।

नये कार्यालय के सामने जल्द लगा दिया जायेगा सूचना बोर्ड - वर्षा

दूरभाष पर चर्चा में उपडाकपाल श्रीमती वर्षा वरकड़े ने बताया कि डाक घर (पोस्ट आफिस) कार्यालय पूर्व में हाई स्कूल मार्ग राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के पीछे संचालित हो रहा था। जिसे गत दिवस ही नये जनपद पंचायत कार्यालय के समीप स्थानांतरित कर दिया गया है। साथ ही पुराने कार्यालय से स्थान परिवर्तित हो जाने एवं नये स्थान की जानकारी की सूचना चस्पा कर दी गई है। श्रीमती वरकड़े ने बताया कि नये कार्यालय में सुचारू रूप से कार्य किया जा रहा है जहां आधार कार्ड बनवाने, संशोधन करवाने सहित बैंकिंग व अन्य कार्य किये जा रहे है एवं जल्द ही नये कार्यालय भवन के सामने सूचना बोर्ड लगा दिया जायेगा।

सड़क में बने गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली से पंढरापानी-नगपुरा पहुंच मार्ग का खस्ताहाल होने के साथ ही जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने के कारण ग्रामीणजन, राहगीर एवं पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को आवागमन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही

दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदार के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है और प्रशासन से जल्द मरम्मत कार्य एवं बरसात के बाद नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है। आपकों बता दे कि ग्राम बघोली से पंढरापानी-नगपुरा पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया है, लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही सड़क खराब होने के साथ ही कुछ स्थानों पर सड़क के बीच में बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है। साथ ही बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा हो जाने से गड्ढे दिखाई नही देते है जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। साथ ही पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों एवं राहगीरों ने बताया कि बघोली से पंढरापानी-नगपुरा पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है। लेकिन डामरीकरण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क खराब होने के साथ ही कुछ स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है। साथ ही बारिश होने पर इन गड्ढों में पानी जमा हो जाने से दुर से गड्ढे दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में वाहन तेज गति से गुजरने पर गड्ढे में वाहन जाने से वे अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। जबकि यह मार्ग पंढरापानी, नगपुरा, रानीकुठार, कंजई होते हुए सीधे बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर मिलती है। लेकिन सड़क खराब होने से आवागमन में परेशानी हो रही है। प्रशासन से मांग है कि इस मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य करवाये एवं बरसात के बाद नवीन सड़क का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

देवरी से मुरझड़ मार्ग पर झाड़ियों का कब्जा, सड़क हादसों को दे रही खुला न्यौता

सड़क के दोनों ओर उगी घनी झाड़ियों से राहगीर परेशान, विभाग की अनदेखी से ग्रामीण एवं राहगीरों में आक्रोश, , प्रशासन से झाड़ियों की कटाई एवं सफाई करवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी दूर ग्राम पंचायत देवरी से मुरझड़ पहुंच मार्ग पर वर्तमान में सड़क के दोनों ओर उगी घनी झाड़ियां आम जनता और राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई हैं। सड़क के दोनों किनारों पर पटरी तक फैल चुकी इन झाड़ियों के कारण मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा सड़क तक पहुंच चुकी झाड़ियों की कटाई कर साफ-सफाई नही करवाई जा रही है। जबकि इस समस्या से कई बार सड़क विभाग एवं पंचायत के जिम्मेदारों को भी ग्रामीणजनों के द्वारा अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों और राहगीरों का कहना है कि झाड़ियां पूरी तरह से मुख्य मार्ग और सड़क की पटरियों तक पहुंच चुकी हैं। जब सामने से कोई बड़ा वाहन गुजरता है, तो छोटे वाहन चालकों (दुपहिया व चौपहिया वाहन) को मजबूरी में अपना वाहन सड़क की कच्ची पटरी पर उतारना पड़ता है। पटरी पर घनी झाड़ियों का कब्जा होने के कारण वाहन चालकों को गंतव्य (सड़क) दिखाई नहीं देता और गाड़ी अनियंत्रित हो जाती है। जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। जबकि यह मार्ग देवरी से होते हुए खामघाट, मुरझड़, कौड़िया एवं मोहगांव ध की ओर जाती है। इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है सभी को परेशानी होती है। आगे कहा कि इस गंभीर समस्या की ओर प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन का भी कोई ध्यान नही है जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने देवरी से मुरझड़ मार्ग के दोनों ओर फैली इन झाड़ियों की तत्काल कटाई व सफाई क रवाने की मांग की है ताकि भविष्य में होने वाली किसी बड़ी अप्रिय घटना को रोका जा सके और आवागमन सुगम हो सके।

वैश्य समाज महिला मंडल का सावन महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सावन झुला सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित, पर्यावरण संरक्षण का संदेश के साथ किया गया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। श्रावण मास के पावन अवसर पर वैश्य समाज महिला मंडल लालबर्रा के तत्वाधान में 4 अगस्त को नगर मुख्यालय स्थित गार्डन में सावन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैश्य समाज महिला मंडल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर वैश्य समाज की महिलाओं ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को अलौकिक आभा से बिखरे दिया। साथ ही सभी महिलाओं ने पारंपरिक गीतों, संगीत की शानदार प्रस्तुतियां दिये एवं सावन झुला झुलकर सावन महोत्सव का आनंद लिया। वहीं आयोजित कार्यक्रम से प्रकृति और नारी की समरूपता का परिचायक सावन का भरपूर आनंद उठाकर पूर्ण उत्साह के साथ महिलाओं ने अपनी कला की प्रस्तुति दी। वहीं सावन के पवित्र महीने में महिलाओं द्वारा झूला झूलने और खुशियां बांटने की यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। इस प्राचीन संस्कृति व परंपरा को जीवंत बनाये रखने के लिए लालबर्रा में प्रतिवर्ष वैश्य समाज महिला मंडल द्वारा यह विशेष आयोजन किया जाता है। साथ ही इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं पारंपरिक सावन गीतों, झूला उत्सव और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आपस में एकजुट होकर खुशहाली और समृध्दि की कामना की। वहीं कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गार्डन परिसर में विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उनके सुरक्षा करने का संकल्प लिया और आम जनमानस से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की है। वैश्य समाज महिला मंडल लालबर्रा की श्रीमती सरोज अवधिया ने बताया कि मंगलवार को लालबर्रा गार्डन में वैश्य समाज महिला इकाई द्वारा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व से जुड़ा हुआ सावन झूला उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये गये और समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर शामिल हुए। श्रीमती अवधिया ने बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति में वैदिक काल से ही सावन झूला का महत्व है, पौराणिक कथाओं में यह उल्लेख है कि राधा-कृष्ण ने इस उत्सव को समस्त बृजवासियों के साथ मनाया था, स्मृति को ताजा रखने के लिए तथा सामाजिक समरसता एकता सद्भावना के साथ मिल जुलकर सावन झूला झूलने का एक अलग ही आनंद आता है। सावन झूला महोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण भी किया गया है। इस अवसर पर

वैश्य समाज की महिला प्रभारी श्रीमती अनीता अग्रवाल, अध्यक्ष सरोज अवधिया, उपाध्यक्ष छाया गुप्ता, सचिव सुनीता गुप्ता, कोषाध्यक्ष बबीता बागरे, उपकोषाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, स्थाई सदस्य लालबर्रा अवधिया समाज की उमा अवधिया, राजमती अवधिया, अजीता गुप्ता, अर्चना गुप्ता, रिया अवधिया सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहे।

वारासिवनी तहसील कार्यालय में पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे

तहसील कार्यालयों में काम काज पूरी तरह ठप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के तहसील कार्यालय परिसर में वारासिवनी खैरलांजी के पटवारी अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए है। जहां उनके द्वारा शासन से मांगों को पूरा करने की मांग की जा रही है। लंबित ५ सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत पटवारियों का सब्र आखिरकार टूट गया है। पूर्व में दिए गए ३ दिवसीय सांकेतिक अवकाश के बावजूद शासन द्वारा कोई सकारात्मक निर्णय नाा लिए जाने के विरोध में मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर पटवारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का बिगुल फूंक दिया है। तहसील कार्यालय परिसर में टेंट लगाकर धरने पर बैठे पटवारियों ने साफकर दिया है कि जब तक उनकी न्यायोचित मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

आश्वासन के बाद भी नहीं बनी बात

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटवारी संघ अपनी जायज मांगों को लेकर वे लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन और सांकेतिक प्रदर्शन के माध्यम से शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा पटवारी महाधिवेशन का आमंत्रण स्वीकार करते हुए नवंबर २०२५ की समयसीमा दी गई थी लेकिन निरंतर प्रयासों के बाद भी मुख्यमंत्री कार्यालय से महाधिवेशन की तिथि तय नहीं की गई। शासन के इस उपेक्षात्मक रवैये के कारण पटवारी संवर्ग में भारी असंतोष व्याप्त है जिसके चलते उन्हें इस उग्र कदम के लिए मजबूर होना पड़ा। पटवारियों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि वेतनमान विसंगति को दूर करने के लिए शासन स्तर पर लंबित कैडर रिव्यू प्रस्ताव को तुरंत लागू किया जाए। पदोन्नति से वंचित पटवारियों को समयमान वेतनमान का अति शीघ्र लाभ दिया जाए। नायब तहसीलदार पद हेतु नियमित रूप से विभागीय परीक्षा आयोजित की जाए। २०१८ के बाद से यह परीक्षा आयोजित नहीं हुई है। राजस्व जांच और निर्णयों के दौरान पटवारियों पर सीधे एफआईआर दर्ज होने से सुरक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें भी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की तर्ज पर जज प्रोटेक्शन एक्ट में शामिल किया जाए। स्वामित्व योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना और फार्मर आईडी कैंप जैसे कार्यों का वर्षों से लंबित मानदेय तुरंत जारी किया जाए। साथ ही नियम विरुद्ध स्थानांतरणों को निरस्त कर स्थानांतरण नीति २०२६ का कढ़ाई से पालन हो।

जनता परेशान राजस्व कार्य पूरी तरह ठप

पटवारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से क्षेत्र में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फौती, जाति प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्य पूरी तरह से ठप हो गए हैं। आम जनता और किसानों को अपने दैनिक सरकारी कामों के लिए परेशान होना पड़ रहा है। पटवारी संघ का कहना है कि आंदोलन के कारण आम जनता को हो रही असुविधा की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन की उपेक्षात्मक नीति की है।

वर्षों से लंबित मांग है वेतन विसंगति व अन्य शासन से मांग कर रहे है-सिफील धमगाये

सिफील धमगाये ने बताया कि हमारी वर्षों से लंबित मांग है वेतन विसंगति व अन्य इसके संबंध में हमने शासन से मांग कर रहे हैं परंतु वह कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसके पहले हमने शासन को १४ जुलाई को अपनी मांगों से अवगत कराया था और बताया था कि हम क्रमबद्ध विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि मांग पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हम जाएंगे और आज हमें धरने पर बैठना पड़ रहा है। ३ अगस्त से यह प्रारंभ हुआ है इसके पहले हमने ज्ञापन दिए थे ३ दिन के सामूहिक अवकाश का फिर व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ें उसके बाद शासकीय एप में काम करना बंद कर दिया। हमारी पांच सूत्रीय मांगे हैं वेतन विसंगति समय मान वेतन और कैडर रिव्यू सहित अन्य जो तत्काल लागू किया जाना चाहिए।

जनता दरबार में नगर के सभी आम नागरिको की सुनी समस्या किया समाधान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के जनता दरबार में नगर के सभी आम नागरिको की समस्याओं का समाधान किया गया। जिसमें पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने नागरिको को अपनी बात रखने का मंच देकर प्रशासन को जवाबदेह बनाकर शासन व जनता की दूरी को कम करने का प्रयास किया। जनता दरबार में सबसे पहले प्रगतिशील कलार समाज के पदाधिकारियों व वरिष्ठजनो ने अध्यक्ष सुनील पिपरेवार के साथ आकर वार्ड नं. पांच बगीचे के पीछे के रिक्त स्थान को भगवान सहस्त्रबाहू चौक नामकरण कर मूर्ति स्थापित किये जाने विषयक ज्ञापन सौंपा। जिस पर परिषद ने उपंयत्री को स्थल निरिक्षण कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश प्रदान किये। इसी तरह वार्ड नं. १ हिमाचल नगर से आकर प्रभा बिसेन, कुलदीप कुमार,पुस्तकला भैरम, रीणा राणा ने लिखित शिकायत में बताया की पवार मगंल भवन के सामने वाली गली में लगभग आधा दर्जन मकानो तक नल जल योजना की मुख्य पाईप लाईन नही आ पायी है। चूंकि बरसात के मौसम में बोर से भी गंदा पानी आने के कारण अब इस कार्य का प्राथमिकता से कराना बेहद जरूरी है। इस शिकायत को गंभीरता से लेकर नपा परिषद ने आवश्यक प्रक्रिया शुरू कराने के अधिकारीयों को निर्देश प्रदान किये। वार्ड नं. ४ के एक प्रकरण की जानकारी देते हुये अरविंद तिवारी, संतोष त्रिवेदी ने बताया की न्यायालय से उनके पक्ष में दूसरी बार निर्णय आ गया है। सक्षम न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने के विषय में पूर्व में नपा के द्वारा दिये गये नोटिस को भी विधिवत होना पाया है। अत अब इस मामले में जल्द से जल्द कार्यवाही होना न्यायसंगत होंगा। गौरतलब है की लंबे समय से अतिक्रमण को लेकर सुरेश कुमार दिक्षीत और अरविंद तिवारी, संतोष त्रिवेदी के बीच विवाद चल रहा है। वार्ड नं. १ अम्रतनगर से भी

आकर जनता ने अम्रत नगर में दूर्गा माता मंदिर के आसपास बाउड्रींवाल,सम्राट नगर में १२० मीटर सीसी नाली निर्माण,श्याम नगर में मदनपुर रोड़ पर हाईमास्क लगाने जैसी मांग रखी है। जनता दरबार में स्थानीय सब्जी बाजार, नेहरू चौक सडक के पास गडडो, बस स्टेंड के सौदर्यीकरण कार्य, सडक निर्माण, नाली निर्माण, आवासीय पटटा मिलने जैसे अनेको विषयो में समीक्षा की गयी।

बुदबूदा से नदीटोला मार्ग पर चलना हुआ दूभर

पुल बना पर पहुंच मार्ग बदहाल, खस्ताहाल सड़क से राहगीर परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबूदा से नदीटोला को जोड़ने वाला एकमात्र मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाल पड़ा है। खस्ताहाल और कच्चे मार्ग के कारण ग्रामीणों राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पत्थरों और दलदल के बीच जोखिम भरा सफर

ग्राम पंचायत बुदबूदा कई टोलों में बंटा हुई है इसका एक प्रमुख भाग नदीटोला मुख्य पंचायत मुख्यालय से लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर नदी के दूसरे छोर पर स्थित है। शासन के द्वारा ग्रामीणों की सुविधा के लिए नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण तो करवा दिया गया है,लेकिन पुल को जोड़ने वाले पहुंच मार्ग की स्थिति आज भी अत्यंत दयनीय बनी हुई है। महात्मा ज्योतिबा फुले चौक से आधे रास्ते तक बड़े.छोटे नुकीले गिट्टी.पत्थर बाहर निकल आए है,जिससे वाहनों के पंचर होने और फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने का लगातार खतरा बना रहता है। वहीं आगे पुल को जोड़ने वाले मार्ग पर डाली गई मुरुम बारिश के कारण पूरी तरह दलदल में तब्दील हो चुकी है। इस मार्ग पर दोपहिया वाहन चालकों के साथ साथ पैदल चलने वालों के लिए भी सफर बेहद जोखिम भरा साबित हो रहा है। नदीटोला के निवासियों को दैनिक कार्यों, राशन, इलाज और शासकीय कामों के लिए पंचायत मुख्यालय बुदबूदा आना ही पड़ता है। इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित स्कूली बच्चे हो रहे हैं जिन्हें हर दिन इसी कीचड़ और पत्थरों से भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। रात के समय तो इस मार्ग पर चलना सीधे हादसों को न्योता देने जैसा है। पंचायत मुख्यालय को जोड़ने वाला यह एकमात्र रास्ता होने के बावजूद लगातार उपेक्षित है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस डेढ़ किलोमीटर के जर्जर मार्ग पर शीघ्र पक्की सड़क का निर्माण कराने की मांग की है ताकि क्षेत्रवासियों को इस रोज रोज की मुसीबत से स्थाई राहत मिल सके।

नदी टोला मार्ग पर सड़क खराब है गिट्टी के पत्थर बाहर आ गए है-रामदास दशमेर

ग्रामीण रामदास दशमेर ने बताया कि यह नदी टोला मार्ग है पूरा सड़क खराब हो गया है गिट्टी के पत्थर बाहर आ गए हैं। भरन बैठ गया है दलदल की स्थिति है हर तरफ समस्या यहां पर देखने मिल रही है। स्कूल के बच्चे और ग्रामीण आते जाते रहते हैं दुर्घटना की स्थिति कई बार बनती है। हर वर्ष बारिश में इस मार्ग की स्थिति खराब हो जाती है कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की गई है पर आज तक कोई नहीं ध्यान नहीं दिया। हम यही चाहते हैं कि इस मार्ग को पक्का बनाया जाना चाहिए।

उच्च स्तरीय पुल तो बन गया परन्तु रास्ता आज भी खराब है-उमेंद्र जमरे

उपसरपंच उमेंद्र जमरे ने बताया कि बहुत भारी समस्या बनी हुई है आने जाने में दिक्कत है। उच्च स्तरीय पुल तो बन गया है परन्तु रास्ता आज भी खराब है बहुत ज्यादा गड्डे है पानी भर जाने से समझ नहीं आते हैं। मार्ग में दलदल की स्थिति बनी है चल नहीं सकते हैं फूले चौक से सड़क में गिट्टी के पत्थर बाहर निकले हुए हैं। इस प्रकार यह मार्ग खस्ताहाल है कि ग्रामीण बहुत ज्यादा परेशान है। प्रशासन को गंभीरता से इस मार्ग पर ध्यान देना चाहिए ताकि लोगों का सुरक्षित आवागमन हो सके। ग्राम के लोग प्रतिदिन अपने रोजमर्रा की जरूरत के लिए आते जाते हैं और करीब डेढ़ किलोमीटर यहां सड़क जिसे पक्का बनाना चाहिए।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को हुआ पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का आयोजन

आने वाले सोमवारों के लिए भी तैयारियाँ पूर्ण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित सिद्ध श्री जाग्रत हनुमान मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास के अवसर पर श्री शिवाय नमस्तुभ्यम समिति एवं मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में ३ अगस्त से धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रथम सावन सोमवार को पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान आठ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया जहाँ बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने उपस्थित होकर पार्थिव शिवलिंग का विधि विधान से पूजन व अभिषेक किया तथा पुण्य लाभ अर्जित किया। समिति सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष अभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जो श्रावण सोमवार को प्रात: ६ बजे से ८ बजे तक चलता हैं आगामी १०,१७,२४ अगस्त को भी पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक किया जाएगा। वहीं चौथे सोमवार २४ अगस्त को अभिषेक के साथ भव्य महाआरती, हवन.पूजन एवं महाप्रसादी का वितरण होगा। इस अवसर पर श्री शिवाय नमस्तुभ्यम समिति तथा सिद्ध श्री जाग्रत हनुमान मंदिर समिति वारासिवनी ने नगर एवं आसपास के समस्त धर्मप्रेमी जनता व शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पार्थिव रुद्राभिषेक, महाआरती एवं महाप्रसादी का लाभ उठाने

पशु आहार दुकान का ताला तोड़ने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, पुलिस ने किया न्यायालय में पेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बाजार क्षेत्र में जनता पशु आहार दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने शटर का ताला तोड़कर गल्ले से नगदी पार करने वाले दो शातिर आरोपियों को धर दबोचकर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में नकाबपोश युवक लोहे के सरिये से शटर का ताला तोड़कर अंदर घुसते और नगदी समेटकर भागते हुए साफ नजर आ रहे थे। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने कार्यवाही करते हुए बालाघाट इंद्रा नगर वार्ड नं.२४ के दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। कढ़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपी देवेंद्र पिता संतोष भारद्वाज उम्र २४ वर्ष एवं अंकित पिता हरिप्रसाद दीक्षित उम्र २० वर्ष दोनों निवासी इंद्रा नगर वार्ड नं.२४ बालाघाट को गिरफ्तार कर वैधानिक कागजी कार्यवाही पूरी की। इसके बाद दोनों आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने मामले में चोरी गई राशि की बरामदगी की है।

सिकंद्रा में रक्तदान शिविर संपन्न ,४७ यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा स्थित पंचायत भवन में सामाजिक सहभागिता से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीणों की उत्साही उपस्थिति के साथ शुरू हुए इस शिविर में क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों ने

बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के दौरान कुल ५० रक्तदाताओं ने रक्तदान के लिए अपना पंजीयन कराया। जिनमें से स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत ४७ योग्य रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर अपना योगदान दिया। रक्त संग्रहण कार्य के लिए बालाघाट जिला चिकित्सालय से विशेष रक्त संग्रहण यूनिट सिकंद्रा पहुंची थी। चिकित्सा टीम के कुशल मार्गदर्शन में सभी मानकों का पालन करते हुए सुरक्षित रूप से रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुद्दों से क्यों भटका छात्र आंदोलन?

लोकतंत्र में आंदोलन केवल विरोध का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का सशक्त साधन भी हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों में परिवर्तन कराया, सामाजिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया और शासन को जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। किंतु पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति भी देखने को मिली है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। अनेक आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप जिस समस्या के समाधान के लिए आंदोलन शुरू होता है, वही धीरे-धीरे चर्चा के केंद्र से बाहर हो जाती है। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं था, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और युवाओं के भविष्य का विषय था। इसलिए स्वाभाविक रूप से छात्रों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था की मांग की। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिस पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी पक्षों को विद्यार्थियों के हित में एकमत दिखाई देना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते यह आंदोलन दिशा से भटकता हुआ दिखाई दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाए। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह हर गंभीर आरोप की निष्पक्ष जांच कराए, दोषियों को दंडित करे और जनता का विश्वास बनाए रखे। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र समाधान के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब मूल मुद्दा पीछे छूटने लगता है। यह भी देखा गया है कि कई बार अलग-अलग राज्यों में समान प्रकृति की घटनाओं पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं। इससे जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दल सभी मामलों में एक समान सिद्धांत अपनाते हैं, या उनका रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है? लोकतंत्र में जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक हित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का आचरण अधिक सुसंगत और सिद्धांत आधारित दिखाई दे। यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों और नागरिक समूहों की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आंदोलन का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान है, तो उसे उसी लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। आंदोलन में अनावश्यक राजनीतिक ध्रुवीकरण या विषयांतर से बचना आवश्यक है, क्योंकि इससे समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के कारण उसका दायित्व है कि वह मूल मुद्दे को केंद्र में रखे। यदि समाचारों और बहसों में वास्तविक समस्या की अपेक्षा राजनीतिक टकराव अधिक स्थान पाने लगे, तो जनचर्चा भी उसी दिशा में मुड़ जाती है। इससे जनता का ध्यान समस्या के समाधान से हटकर राजनीतिक विवादों में उलझ सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की सफलता का आकलन इस आधार पर किया जाए कि उससे समस्या का कितना समाधान हुआ, न कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या हानि हुई। किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है, जब वह अपने घोषित उद्देश्य, नैतिक मर्यादा और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

संसद,कानून और लोकतंत्र-मानसून सत्र 2026 के अंतिम चरण में विधायी जवाबदेही की चुनौती

वैश्विक स्तरपर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारतीय संसद उसकी लोकतांत्रिक आत्मा का सर्वोच्च संस्थागत मंच है। संसद केवल कानून बनाने की इमारत नहीं,बल्कि जनता की आशाओं, समस्याओं असहमतियों और अपेक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में बदलने वाली संवैधानिक व्यवस्था है। संसद में सरकार बहुमत के आधार पर शासन करती है,किंतु लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल बहुमत में नहीं,बल्कि बहससंवाद विपक्ष की भागीदारी,विधेयकों की गहन जांच,मतदान की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही में निहित होती है,इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं की संसद का मूल्य केवल इस बात से नहीं आंका जाना चाहिए कि कितने विधेयक पारित हुए,बल्कि इस बात से भी आंका जाना चाहिए कि वे कितनी चर्चा,कितनी जांच और कितनी लोकतांत्रिक भागीदारी के बाद पारित हुए। वर्ष 2026 के मानसून सत्र के अंतिम चरण में पेपर लीक और छात्रों से जुड़े मुद्दे ने संसद के भीतर एक गंभीर राजनीतिक और लोकतांत्रिक प्रश्न खड़ा किया। विपक्ष ने परीक्षा अनियमितताओं,छात्र आंदोलनों और कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा।इसके बाद विपक्षी दलों ने विरोध दर्ज कराया और कुछ अवसरों पर मतदान की प्रक्रिया का बहिष्कार किया। इसी राजनीतिक तनाव के बीच सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक,2026 संबंधी संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में ध्वनि मत से पारित हुआ। तथा इसपर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 31 जुलाई 2026 को अपनी स्वीकृति (मंजूरी) दे दी है, और कानून मंत्रालय द्वारा इसी दिन इसकी राजपत्र (गजट) अधिसूचना जारी कर दी गई है और यह अब कानून लागू हो चुका है। साथियों उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार विधेयक पर बहस हुई, लेकिन सदन में तीखी नोकझोंक और व्यवधान के बीच अंतिम स्वीकृति ध्वनि मत से दी गई।बता दे कि संसद के मानसून सत्र 2026 में 31 जुलाई तक कम-से- कम 3 प्रमुख विधेयक (1) लोक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम)संशोधन विधेयक,2026 (2) राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 दोनों सदनों से पारित ध्वनि मत (3) जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026,यानें तीनों विधेयक ध्वनि मत से पारित किए गए; इस अवधि में किसी विधेयक पर औपचारिक विभाजन (रिकॉर्डेड वोटिंग) का स्पष्ट मामला सामने नहीं आया। यह घटनाक्रम केवल एक विधेयक के पारित होने का प्रश्न नहीं है। इसके माध्यम से एक बड़ा लोकतांत्रिक प्रश्न सामने आता है, जब किसी कानून का संबंध लाखों विद्यार्थियों के भविष्य, परीक्षा की विश्वसनीयता और युवाओं के विश्वास से हो, तब क्या केवल ध्वनि मत पर्याप्त लोकतांत्रिक संतुष्टि प्रदान करता है? और यदि विपक्ष मतदान का बहिष्कार करता है,तो क्या सरकार की जिम्मेदारी केवल बहुमत के आधार पर कानून पारित करना है,या उसे व्यापक राजनीतिक सहमति और सार्वजनिक विश्वास भी सुनिश्चित करना चाहिए? पेपर लीक केवल परीक्षा की गड़बड़ी नहीं,युवाओं के भविष्य और लोकतांत्रिक विश्वास का प्रश्न। साथियों, सरकार का पक्ष यह रहा कि पेपर लीक जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए कठोर कानून और त्वरित न्यायिक व्यवस्था आवश्यक है।यह तर्क अपने आप में महत्वपूर्ण है,क्योंकि संगठित परीक्षा अपराधों पर प्रभावी दंड, जांच और समयबद्ध सुनवाई की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता।लेकिन लोकतंत्र में कानून की कठोरता के साथ उसकी विश्वसनीयता भी आवश्यक होती है। यदि कानून बनाने की प्रक्रिया में व्यापक चर्चा, संशोधनों पर विचार और विपक्ष की भागीदारी कम दिखाई दे, तो कानून की वैधानिकता तो बनी रहती है, किंतु उसके प्रति राजनीतिक और सामाजिक स्वीकार्यता का प्रश्न उठ सकता है। साथियों बात अगर हम विपक्ष का विरोध और मतदान का बहिष्कार- लोकतांत्रिक अधिकार या संसदीय प्रक्रिया की कमजोरी? इसको समझने की करें तो लोकतंत्र में विपक्ष का कार्य केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। विपक्ष जनता के उन वर्गों की आवाज भी है जिनकी अपेक्षाएं, शिकायतें या असहमति सरकार की प्राथमिकताओं से अलग हो सकती हैं। संसद में विपक्ष का विरोध, नारेबाजी, बहिर्गमन या मतदान का बहिष्कार राजनीतिक असहमति व्यक्त करने के संसदीय साधन हो सकते हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि लगातार व्यवधान और मतदान से दूरी विपक्ष की विधायी भूमिका को कमजोर कर सकती है।पेपर लीक के मुद्दे पर विपक्ष ने यह तर्क रखा कि पहले छात्रों के प्रश्नों, आंदोलन और कथित प्रशासनिक कार्रवाई पर स्पष्ट चर्चा होनी चाहिए। यदि विपक्ष को लगता है कि उसके मुद्दों को पर्याप्त समय नहीं दिया गया, तो विरोध उसकी राजनीतिक रणनीति बन सकता है। दूसरी ओर, यदि विपक्ष मतदान का बहिष्कार करता है, तो वह विधेयक की धाराओं में संशोधन प्रस्तावित करने, सरकार से स्पष्टीकरण मांगने और रिकॉर्डेड वोट के माध्यम से अपनी स्थिति दर्ज कराने का अवसर भी सीमित कर देता है।इसलिए लोकतांत्रिक जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है। सरकार को विपक्ष की बात सुनने और महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर पर्याप्त चर्चा सुनिश्चित करनी चाहिए, जबकि विपक्ष को भी विरोध के साथ विधायी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। लोकतंत्र में केवल विरोध करना पर्याप्त नहीं; वैकल्पिक सुझाव देना, संशोधन प्रस्तुत करना और मतदान में अपनी स्थिति सटीकता से दर्ज कराना भी आवश्यक है। साथियों बात अगर हम ध्वनि मत क्या है और इसकी संवैधानिक- संसदीय स्थिति क्या है? इसको समझने की करें तो ध्वनि मत भारतीय संसद की एक मान्य और लंबे समय से प्रचलित संसदीय प्रक्रिया है। इसमें अध्यक्ष या सभापति सदन से पूछते हैं कि प्रस्ताव के पक्ष में कौन है और विरोध में कौन है। सदस्य फ्रहाँफ्र या फ्रनहींफ्र कहकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। अध्यक्ष ध्वनि की तीव्रता के आधार पर निर्णय देते हैं कि प्रस्ताव स्वीकार हुआ या अस्वीकार। भारतीय संसदीय परंपरा में ध्वनि मत कोई असंवैधानिक या अवैध प्रक्रिया नहीं है; यह सामान्य संसदीय निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा है।लेकिन ध्वनि मत की एक महत्वपूर्ण सीमा यह है कि इसमें प्रत्येक सांसद का व्यक्तिगत मतदान रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं होता। जनता यह नहीं जान पाती कि किस सांसद ने किसी विधेयक के पक्ष या विरोध में मतदान किया। यदि किसी सदस्य को अध्यक्ष के निर्णय पर आपत्ति हो, तो नियमों के अनुसार वह विभाजन अर्थात डिवीजन की मांग कर सकता है। विभाजन में मतों की गिनती या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग के माध्यम से स्पष्ट परिणाम प्राप्त किया जा सकता है।यहीं से लोकतांत्रिक बहस शुरू होती है। ध्वनि मत सामान्य और गैर-विवादित मामलों में त्वरित निर्णय का प्रभावी माध्यम हो सकता है। लेकिन जब विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण हो, व्यापक जनहित से जुड़ा हो, राजनीतिक विवाद का विषय बना हो या विपक्ष उसकी धाराओं पर गंभीर आपत्ति कर रहा हो, तब रिकॉर्डेड मतदान लोकतांत्रिक पारदर्शिता को अधिक मजबूत कर सकता है। साथियों बात अगर हम क्या ध्वनि मत से विधेयक पारित होना लोकतंत्र के लिए अच्छा है? इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर केवल हाँ या नहीं में नहीं दिया जा सकता। ध्वनि मत स्वयं लोकतंत्र- विरोधी नहीं है। संसद के नियमों में इसका स्थान है और अनेक मामलों में यह समय बचाने तथा सर्वसम्मति या स्पष्ट बहुमत वाले निर्णयों के लिए उपयोगी है। यदि सदन में पर्याप्त चर्चा हुई हो, सदस्य अपनी राय रख चुके हों और किसी सदस्य ने विभाजन की मांग न की हो, तो ध्वनि मत से निर्णय को संसदीय प्रक्रिया के अंतर्गत वैध माना जाता है।लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब ध्वनि मत विस्तृत बहस के विकल्प के रूप में दिखाई देने लगे। यदि किसी विधेयक पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई, उसे संसदीय समिति के पास नहीं भेजा गया, विपक्ष की आपत्तियों पर गंभीर विचार नहीं हुआ और अंत में केवल ध्वनि मत से उसे पारित कर दिया गया, तो लोकतांत्रिक गुणवत्ता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।लोकतंत्र में बहुमत सरकार को निर्णय लेने का अधिकार देता है, किंतु बहस की आवश्यकता समाप्त नहीं करता। बहुमत शासन का आधार है; संवाद लोकतंत्र की आत्मा है। इसलिए किसी विधेयक का केवल पारित हो जाना यह प्रमाण नहीं कि उस पर सटीकता से पर्याप्त लोकतांत्रिक विचार-विमर्श हुआ है। साथियों बात अगर हम पिछले बारह वर्षों में ध्वनि मत से कितने विधेयक पारित हुए? आंकड़ों की चुनौती को समझने की करें तो पिछले बारह वर्षों में ध्वनि मत से पारित विधेयकों की एकल, समेकित और आधिकारिक संख्या सार्वजनिक संसदीय आंकड़ों में आसानी से उपलब्ध नहीं है। इसका प्रमुख कारण यह है कि संसद के विधायी आंकड़े सामान्यत: विधेयकों के प्रस्तुत होने, पारित होने समिति को भेजे जाने और कानून बनने की जानकारी देते हैं,लेकिन प्रत्येक विधेयक के लिए मतदान की पद्धति,ध्वनि मत,मत-विभाजन,इलेक्ट्रॉनिक मतदान या अन्य प्रक्रिया का एक संयुक्त दशकवार आंकड़ा अलग से प्रकाशित नहीं किया जाता।इसलिए यह कहना कि पिछले बारह वर्षों में ठीक इतने विधेयक ध्वनि मत से पारित हुए बिना प्रत्येक विधेयक की कार्यवाही और मतदान रिकॉर्ड की जांच के तथ्यात्मक रूप से सुरक्षित नहीं होगा। संसद की वेबसाइट, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही तथा विधेयक-वार रिकॉर्ड के आधार पर अलग-अलग गणना की जा सकती है, लेकिन एक आधिकारिक समेकित संख्या उपलब्ध न होने के कारण किसी अनुमानित आंकड़े को अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।फिर भी व्यापक संसदीय प्रवृत्तियों से यह स्पष्ट है कि पिछले एक दशक में बड़ी संख्या में विधेयक ध्वनि मत से पारित हुए हैं और कई महत्वपूर्ण कानूनों पर रिकॉर्डेड मतदान नहीं हुआ। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या संसद को प्रत्येक महत्वपूर्ण विधेयक के मतदान की पद्धति का एक सार्वजनिक, डिजिटल और आसानी से उपलब्ध डेटाबेस तैयार करना चाहिए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

कश्मीर में प्रवासी मजदूरों पर आतंकी हमले

-कांतिलाल मांडोत

सेब उद्योग पर मंडराता संकट और आतंक की नई साजिश

कश्मीर की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं बल्कि उसकी समृद्ध बागवानी और विशेष रूप से सेब उत्पादन से भी जुड़ी हुई है। देश के कुल सेब उत्पादन में कश्मीर की हिस्सेदारी सबसे अधिक है और यहां का सेब उद्योग लगभग 19 हजार करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था का आधार माना जाता है। इस उद्योग से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 30 लाख लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। ऐसे समय में जब सेब की तुड़ाई का मौसम शुरू हो चुका है, कुलगाम में प्रवासी मजदूरों पर हुआ आतंकी हमला केवल दो निर्दोष लोगों की हत्या भर नहीं है, बल्कि यह कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला भी है।

कुलगाम के ईंट-भट्टे पर आतंकियों द्वारा छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों दीपक रात्रे और भूपेंद्र भैना को गोली मारना एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। दोनों मजदूर बेहतर रोजगार और परिवार के उज्ज्वल भविष्य का सपना लेकर कश्मीर पहुंचे थे, लेकिन आतंकियों की गोलियों ने उनके सपनों के साथ-साथ उनके परिवारों का सहारा भी छीन लिया। दीपक के घर तीन महीने का मासूम बेटा है, जबकि भूपेंद्र का तीन वर्षीय पुत्र अब अपने पिता के स्नेह से हमेशा के लिए वंचित हो गया। यह केवल दो परिवारों की त्रासदी नहीं बल्कि उन हजारों प्रवासी मजदूरों के मन में भय पैदा करने की कोशिश है जो हर वर्ष कश्मीर की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए वहां पहुंचते हैं।

कश्मीर का सेब उद्योग काफी हद तक प्रवासी मजदूरों पर निर्भर है। हर वर्ष लगभग तीन लाख मजदूर तुड़ाई, पैकिंग, छंटाई, लोडिंग और ढुलाई जैसे कार्यों में लगते हैं। इनमें करीब 60 प्रतिशत मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से आते हैं। यदि भय के कारण ये मजदूर घाटी छोड़ने लगें या आने से कतराएं, तो समय पर सेब की तुड़ाई नहीं हो पाएगी। इसका सीधा असर उत्पादन, गुणवत्ता और निर्यात पर पड़ेगा। किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा और हजारों करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित होगा।

हमले का समय भी कई सवाल खड़े करता है। पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 हटाए जाने की बरसी से ठीक पहले इस प्रकार की घटना यह संकेत देती है कि आतंकी संगठन एक बार फिर घाटी में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का भी मानना है कि सीमा पार बैठे आतंकी सरगना इस अवधि में हिंसा बढ़ाकर कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनाना चाहते हैं। यदि ऐसा है तो यह केवल सुरक्षा चुनौती नहीं बल्कि भारत की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता को प्रभावित करने की रणनीति भी है।

प्रारंभिक जांच में इस हमले के पीछे लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी लतीफ भट का नाम सामने आने की चर्चा है। सबसे गंभीर बात यह है कि आतंकियों द्वारा नाम पूछकर हमला किए जाने की बात सामने आ रही है। यदि यह तथ्य सही है तो स्पष्ट है कि आतंकियों का निशाना केवल निर्दोष मजदूर नहीं बल्कि पूरी सेब अर्थव्यवस्था है। उनका उद्देश्य कश्मीर में ऐसा भय पैदा करना है कि बाहरी मजदूर लौट जाएं, कारोबार ठप पड़ जाए और घाटी में आर्थिक अस्थिरता फैल जाए। आतंकवाद अब केवल बंदूक की लड़ाई नहीं रहा, बल्कि यह आर्थिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का भी माध्यम बन चुका है।

कश्मीर के सेब उत्पादक किसान पहले ही मौसम की अनिश्चितता, परिवहन लागत और बाजार की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। यदि अब सुरक्षा का संकट भी गहराएगा तो उनकी कठिनाइयां कई गुना बढ़ जाएंगी। समय पर तुड़ाई न होने से फल खराब हो सकते हैं, बाजार में आपूर्ति प्रभावित होगी और किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिर सकता है। इसका असर केवल कश्मीर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश के फल बाजार और उपभोक्ताओं पर भी दिखाई देगा।

ऐसे समय में सरकार की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। केवल घटना के बाद मुआवजे की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं है। जरूरत इस बात की है कि सेब बागानों, मजदूर शिविरों, पैकिंग केंद्रों और परिवहन मार्गों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं और खुफिया तंत्र को और अधिक सक्रिय बनाया जाए। प्रवासी मजदूरों में विश्वास पैदा करना आवश्यक है कि उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि मजदूर सुरक्षित महसूस करेंगे तभी वे घाटी में काम करने के लिए तैयार होंगे। राजनीतिक दलों को भी इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर एकजुटता दिखानी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने इस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह मांग उचित है, क्योंकि आतंकियों और उनके स्थानीय सहयोगियों की पहचान कर उन्हें कठोर दंड देना ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने का प्रभावी उपाय हो सकता है। आतंकवाद के खिलाफ किसी भी प्रकार की नरमी अंतत: निर्दोष नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था को ही नुकसान पहुंचाती है।

छत्तीसगढ़ सरकार और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा मृतकों के परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा मानवीय संवेदना का परिचायक है, लेकिन कोई भी आर्थिक सहायता उन परिवारों के जीवन से छिन चुके सहारे की भरपाई नहीं कर सकती। असली श्रद्धांजलि तभी होगी जब भविष्य में किसी मजदूर को केवल मेहनत-मजदूरी करने के कारण अपनी जान न गंवानी पड़े। कश्मीर का सेब उद्योग केवल किसानों की आय का स्रोत नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आतंकवादी इस उद्योग को निशाना बनाने में सफल होते हैं तो उनका उद्देश्य केवल आर्थिक नुकसान पहुंचाना नहीं बल्कि यह संदेश देना भी होगा कि वे सामान्य जीवन और विकास की प्रक्रिया को बाधित कर सकते हैं। इसलिए इस चुनौती का जवाब केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, स्थानीय जनता के सहयोग, प्रवासी मजदूरों के विश्वास और आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति से देना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि कश्मीर में सुरक्षा और विकास दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। सेब उद्योग को सुरक्षित रखना केवल किसानों या व्यापारियों का हित नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित का प्रश्न है। यदि सरकार समय रहते प्रभावी सुरक्षा उपाय लागू करती है और आतंकियों की इस साजिश को विफल करती है, तो कश्मीर की अर्थव्यवस्था भी सुरक्षित रहेगी और यह संदेश भी जाएगा कि आतंक के बल पर भारत के विकास और एकता को कभी कमजोर नहीं किया जा सकता।

महाराष्ट्र सरकार की सराहनीय पहल-उन्नत बचपन की पहली शर्त-स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वत: सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज- सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या ब?ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए।

जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है। महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से मंगलवार को मूंग में बाजार नरमी के रहे। चना मजबूती पर देखा गया। खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर व नारियलों में तेजी की स्थिति रही। बाजार सूत्रों के अनुसार मूंग में ऊपरी स्तरों पर माँग ठंडी रहने से भावों में नरमी देखी गयी। चना पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख बने रहे। तिलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व नारियल में तेजी की स्थिति रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4870-5020, खोपरा गोला 375-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3600, (200) 4000, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1730-1740, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1400-1405, सोया रिफाइंड 1455-1460, कपास्या 1600, धूलिया 1605, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675, मुम्बई पाम 1575, मुम्बई सोया 1480-1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6200-6300, विशाल 6500-6600, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7600, मीडियम 7200-7500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 221000, चाँदी (99) 220800, टंच 220000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141700,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में सपाट खुला और तीन पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.34 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा। अब बाजार की नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले और इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिका के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.37 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी चढ़कर 99.99 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 210 अंक, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ ही ही 78,428.95 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159 अंक फिसलकर 24,614.90 अंक पर बंद हुआ। मिडकैप शेयरों में भी आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 86 अंक की गिरावट के साथ ही 18,215.85 अंक पर बंद हुआ।सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में आज सीजी पावर , और सेल रहे । वहीं गॉडफ्रे फिलिप और निप्पन के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। एलआईसी इंडिया, यूपीएल, प्रेस्टीज एस्टेट और डाबर इंडिया गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की मिश्रित शुरुआत रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 147 अंक बढ़कर 78,786.10 पर था, जबकि

निफ्टी 162 अंक गिरकर 24,611.55 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी50 में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टाइटन कंपनी और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयर रहे। वहीं, व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप 0.21 फीसदी नीचे रहा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.46 फीसदी की बढ़त देखी गई। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी रियल्टी और सीमेंट पर दबाव था, जबकि निफ्टी मेटल इंडेक्स ने बेहतर प्रदर्शन किया। ?गिफ्टी निफ्टी ने करीब 14 अंक की गिरावट के साथ 24,637 पर कारोबार करते हुए सपाट रहा। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मिश्रित रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, अ ा ॅ स ट ् े ल ि य ा का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग 1.14 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव पर भी वैश्विक निवेशकों की नजर बनी हुई है। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

यूपीआई नियमों में होगा बदलाव, भविष्य में लग सकता है एमडीआर

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिससे भविष्य में यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने का अधिकार मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल ग्राहकों के लिए कोई नया शुल्क लागू नहीं किया गया है और इसका उद्देश्य यूपीआई यूजर्स से अतिरिक्त चार्ज वसूलना नहीं है। यदि भविष्य में एमडीआर लागू भी होता है, तो इसका असर मुख्य रूप से कारोबारियों (मर्चेंट्स) पर पड़ सकता है। यह प्रस्ताव पेमेंट एक्ट की धारा 10ए को हटाने के लिए है, जो वर्तमान में डिजिटल भुगतान पर एमडीआर लगाने से रोकती है। संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के अनुसार, देश के 88 फीसदी डिजिटल भुगतान यूपीआई से होते हैं और अरबों ट्रांजेक्शन की बढ़ती लागत ने बैंकों व पेमेंट कंपनियों पर दबाव बढ़ाया है। डिजिटल पेमेंट उद्योग लंबे समय से जीरो एमडीआर नीति की समीक्षा की मांग कर रहा है, क्योंकि प्रोत्साहन राशि वास्तविक लागत से कम है। कुछ संगठनों ने बड़े कारोबारियों पर सीमित एमडीआर और छोटे को छूट देने का सुझाव दिया है।

अब 25,000 तक बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने प्रोविडेंड फंड (पीएफ) से जुड़े नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है, जिसका सीधा असर लाखों नौकरीपेशा लोगों की मासिक सैलरी और रिटायरमेंट फंड पर पड़ेगा। इस बदलाव से अब ज्यादा कर्मचारी पीएफ और पेंशन योजना (ईपीएस) के दायरे में आ सकेंगे, हालांकि शुरुआत में हाथ में आने वाली सैलरी थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में रिटायरमेंट सुरक्षा मजबूत होगी। पहले नियम के अनुसार, जिन कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता मिलाकर 15,000 रुपये तक होता था, उनके लिए पीएफ कटवाना अनिवार्य था। 15,000 रुपये से अधिक आय वाले कर्मचारी इससे बाहर रह सकते थे। नई लिमिट 25,000 रुपये होने के बाद अब 15,001 रुपये से 25,000 रुपये तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में आ जाएंगे, जिससे उन्हें बचत के साथ-साथ पेंशन का लाभ भी मिलेगा। इस बदलाव से पीएफ में ज्यादा योगदान जाने के कारण हर महीने हाथ में आने वाली सैलरी में कुछ कमी देखी जा सकती है। दरअसल, कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 12 फीसदी हिस्सा पीएफ खाते में जमा होता है और कंपनी भी अपनी ओर से इतना ही योगदान देती है। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को अब 2,640 रुपये पीएफ के रूप में कटवाने होंगे, जबकि पहले वह दायरे में नहीं था। इसी तरह, 25,000 रुपये बेसिक सैलरी पर पीएफ योगदान 1,800 रुपये (15,000 पर) से बढ़कर 3,000 रुपये (25,000 पर) हो जाएगा। यह बदलाव कई कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट सुरक्षा को बढ़ाने वाला साबित होगा, खासकर उनके लिए जो पहले इस सीमा के कारण पीएफ और पेंशन योजना से नहीं जुड़ पा रहे थे। हालांकि, कंपनियों और सरकार पर भी इससे अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा, लेकिन यह कदम कर्मचारियों की लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा।

मेष- आज का दिन आपको धैर्य और संयम का महत्व सिखाने वाला है। जल्दबाजी में लिया गया कोई भी निर्णय आपके काम बिगाड़ सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। विरोधी सक्रिय रहेंगे, लेकिन आपकी सूझबूझ और समझदारी उनके प्रयासों को विफल कर देगी। मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा और कहीं घूमने-फिरने की योजना भी बन सकती है। बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना होगा, तभी मनचाहे परिणाम प्राप्त होंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए शांति और धैर्य बनाए रखने का संदेश दे रहा है। किसी भी विवाद या बहस से दूरी बनाकर रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। मन कुछ उलझनों में रह सकता है, लेकिन लंबे समय से अटकी हुई कोई डील पूरी होने से राहत मिलेगी। संतान से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय, जैसे नया वाहन खरीदना, लिया जा सकता है। पुराने वादों को निभाने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर खुल सकते हैं और अविवाहित लोगों के जीवन में प्रेम का आगमन होने के संकेत हैं।

मिथुन- आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए शुभ रहने वाला है। धन लाभ के साथ-साथ नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि किसी की मीठी बातों में आकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। विदेश से जुड़े कार्यों में शुभ समाचार मिलने की संभावना है। माताजी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, इसलिए समय रहते डॉक्टर से सलाह लेना उचित रहेगा। अपनी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचें, अन्यथा पिताजी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क- आज आपकी आय में वृद्धि होने के संकेत हैं और कार्यक्षेत्र में टीम का पूरा सहयोग मिलेगा। हालांकि जल्दबाजी में कोई गलती हो सकती है, इसलिए सावधानी बरतें। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। रिश्तेदारों के साथ संबंध और मजबूत होंगे। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक साबित हो सकती है। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है, तो उसमें अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सफलता और सम्मान लेकर आने वाला है। परिवार और मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई पहचान और सम्मान मिल सकता है। किसी नए कार्य की शुरुआत करने से पहले अच्छी तरह विचार अवश्य करें। विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा या मनचाहे कोर्स से जुड़ी कोई इच्छा पूरी होने की संभावना है।

कन्या- आज आपको आलस्य छोड़कर पूरी ऊर्जा के साथ अपने कार्यों में जुटना होगा। आपकी मधुर वाणी लोगों को प्रभावित करेगी और कई कार्य आसानी से पूरे होंगे। अफवाहों या सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने से बचें। माताजी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करें। भाइयों के साथ बातचीत से किसी पुरानी समस्या का समाधान मिल सकता है। जोखिम भरे कार्यों से दूरी बनाए रखना आपके हित में रहेगा।

तुला- आज जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और खर्च आय से अधिक होने के कारण मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर भी कुछ चिंता बनी रह सकती है। एक साथ कई कार्य आने से व्यस्तता बढ़ेगी। जीवनशैली में सुधार के लिए आप कुछ नई खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। नौकरीपेशा लोगों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना होगी और पदोन्नति के संकेत भी मिल सकते हैं। किसी नए कार्य की शुरुआत सोच-समझकर करें। समय का सही उपयोग आपको सफलता दिलाएगा। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

धनु- आज बड़ों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। आपके समझदारी भरे निर्णय लोगों को प्रभावित करेंगे। ऊर्जा और उत्साह के साथ आप अपने सभी कार्य समय पर पूरे करेंगे। हालांकि मन थोड़ा भटक सकता है, इसलिए अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान बनाए रखें।

मकर- आज का दिन आपके लिए शुभ समाचार लेकर आ सकता है। दूर रहने वाले किसी प्रियजन से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें।

कुंभ- आज का दिन सामान्य लेकिन सीख देने वाला रहेगा। व्यापार में किसी तकनीकी समस्या के कारण थोड़ी परेशानी आ सकती है। कार्यभार बढ़ेगा, लेकिन टीम का सहयोग आपको हर चुनौती से बाहर निकाल देगा।

मीन- आज आपकी मेहनत और लगन ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। अपने प्रयासों से आप नई उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होने की संभावना है, इसलिए बजट बनाकर चलें। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। किसी नए कार्य की शुरुआत आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आ सकती है। अपने विरोधियों को पहचानकर ही आगे बढ़ें, क्योंकि लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है।

शब्दजाल - 8341

शब्दजाल में हिंदु कैलेंडर के 10 माह के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	फा	ल्गु	न	ज	ग	ल	द
रा	वि	ली	प्रे	चै	त्र	स	द	ज	कां	ड़
चु	पौ	ष	बा	दी	छ	का	आ	ब	सा	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	र्ति	ल	व	क
डि	आ	मा	ल	भा	चा	न	र	क	न	च
या	ल	न	र्ग	र	द	ली	ती	ण	घ	र
द	ज्ये	ष्ठि	ग	शी	न	वा	स	बा	व	स
क	ष्ठ	ऊ	इ	द	र्ष	क	फ	चो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	वै	शा	ख	प	द
क	ड	आ	षा	ढ़	क	र्त	व्य	ब	त	म

फाल्गुन, पौष, चैत्र, मार्गशीर्ष, कार्तिक, सावन, ज्येष्ठ, भादवा, आषाढ़, वैशाख

शब्दजाल - 8340 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7285

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7284

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.28 बजे से
चंद्र	मेष में	कन्या	08.40 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.51 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.06 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.22 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.27 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.13 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.46 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.16 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	23.57 बजे से
		मिथुन	01.55 बजे से
		कर्क	04.08 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 217 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 20.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 21.18 बजे को समाप्त। **योग** शूल 17.29 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 09.27 बजे तदनन्तर बव 20.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 01' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872792 **जूलियन दिन** 2461257.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 21 **विशेष** शीतला सप्तमी, मासिक जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ईश्वर का रूप

एक बार फकीर जुन्नैद कई लोगों के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। एक व्यक्ति ने उनसे पूछा, 'बाबा, क्या ईश्वर सचमुच है?' जुन्नैद बोले, 'हां भाई, ईश्वर सचमुच है और वह हर जगह मौजूद है।' इस पर वह व्यक्ति बोला, 'यदि ईश्वर हर जगह मौजूद है तो वह हमें दिखाई क्यों नहीं देता?' फकीर ने कहा, 'ईश्वर कोई वस्तु तो है नहीं, वह तो हमें मार्गदर्शन देने वाला, हमारी मदद करने वाला एक फरिश्ता है और उसे हम कई बार नेक व दयालु इंसानों के रूप में देख भी पाते हैं।' इस पर भी वह व्यक्ति संतुष्ट नहीं हुआ और बोला, 'ये बातें तो हम सदियों से सुनते आ रहे हैं। लेकिन कभी तो ईश्वर की झलक मिलती।' यह कहकर जैसे ही वह वहां से जाने लगा वैसे ही फकीर जुन्नैद ने आवाज दी, 'जरा रुको।' उसके रुकते ही उन्होंने एक नुकीला पत्थर अपने पैर में मार लिया। पत्थर लगते ही वहां से खून की धारा बह निकली। वह व्यक्ति घबराकर बोला, 'बाबा, आपने यह क्या किया? आपको तो बहुत तकलीफ हो रही होगी।' इस पर जुन्नैद बोले, 'देखो बेटा, जैसे मेरे पैर में खून की धारा बहते देख तुमने महसूस किया कि मुझे पीड़ा हो रही होगी, वैसे ही हम ईश्वर को भी मन से महसूस करते हैं। पीड़ा भी तो महसूस ही की जाती है। क्या वास्तव में पीड़ा का कोई रूप है? नहीं न। वह तो प्रत्येक व्यक्ति के अंदर चोट लगने पर अलग-अलग तरह से उभरती है। उसी तरह ईश्वर भी लोगों के भीतर अलग-अलग रूप में महसूस किया जाता है।'

सूडोकु नवताल- 7594

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
	9			8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7593 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	6	9	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 8809

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8808 का हल

	अ	जा	न		स	ली	का	
दा	दा		सी		ह		या	द
मि			ब	र	सा	त		म
नी	र	व		थ		र	ह	न
		ज	रा		सा	की		
सु	ल	ह		दां		ब	हा	व
दा			सा	ब	न			ज
मा	ता		ह		य		का	न
	त	म	स		न	क	ल	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नेवरवाही में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ के साथ सेवा, स्वास्थ्य और जनजागरण का संगम

350 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण, 112 की नेत्र जांच, 25 मोतियाबिंद मरीज ऑपरेशन के लिए चिन्हित; प्लास्टिक मुक्त और नशा मुक्ति का भी दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम नेवरवाही में स्थानीय नागरिकों एवं ग्राम समितियों के सहयोग तथा अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ़ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 3 से 4 अगस्त तक अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। धार्मिक आयोजन के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर भी व्यापक जनजागरण किया गया, जिससे पूरा गांव श्रद्धा, सेवा और सामाजिक चेतना के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 350 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर में 112 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 25 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इन सभी मरीजों का निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान श्रीरामचरितमानस के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक है। उपस्थित ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और विद्यार्थियों ने श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। शिक्षा जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी गई। साथ ही बच्चों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अभिभावकों से भी सहयोग का आह्वान किया गया। स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणों को स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा गंभीर बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए। सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की गई। प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पूरे आयोजन में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया। ग्रामीणों को कपड़े एवं जूट के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए गांव को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संदेश दिया गया। नशा मुक्ति अभियान के तहत युवाओं और बच्चों को शराब, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की प्रेरणा दी गई। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है तथा सभी ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। समापन समारोह में गांव के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता से जुड़े प्रेरणादायक संदेश दिए। ग्रामीणों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में सरपंच झामेंद्र टिकेश्वर, भागचंद देवाहे (अध्यक्ष), रामप्रसाद सत्कार (सचिव) सहित रवि टिकेश्वर, धीरज वाहने, गजेन्द्र टिकेश्वर, तुसेलाल सत्कार, शिवकुमार सत्कार, दिलीप सत्कार, शिवकुमार खरे, तामेश्वर सत्कार, नारायण कावरे, युवराज खरे, ओमकार दांदरे, गणेश बांहें, उमेंद्र ठाकरे, नारद देवाहे, लखनलाल सरकार, अरुण टिकेश्वर, भोजराज सत्कार, सेवक सत्कार, जीवन बावने, तेजराम उके, किशोर वरकड़े, किरणलाल सत्कार, धनीराम सत्कार, महेश सत्कार, मनोज सत्कार, रामचंद्र पांचे, शंकर देवाहे, विनोद खरे, चरण सत्कार, मुकुंद मडावी, पवन दांदरे, दौलत सत्कार, गरीबदास कावरे, रोशन बावने तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कोसमारा में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ

इधर, लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम कोसमारा में भी 4 अगस्त को हनुमान मंदिर परिसर में स्थानीय नागरिकों एवं ग्राम समितियों के सहयोग से अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। संगीतमय वातावरण में प्रारंभ हुए इस धार्मिक आयोजन का समापन 5 अगस्त को होगा। समापन अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

प्रशिक्षित ग्राम सामाजिक एनीमेटरों ने विधायक राजकुमार कर्राहे को सौंपा ज्ञापन

सोशल ऑडिट का कार्य वीएसए से ही कराने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम विकास सामाजिक एनीमेटर संघ, बालाघाट के प्रतिनिधिमंडल ने 4 अगस्त को विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास पर पहुंच कर उन्हें ज्ञापन सौंपा एवं केंद्र व राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) का कार्य केवल पूर्व से चयनित एवं प्रशिक्षित ग्राम सामाजिक एनीमेटरों से ही कराए जाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2019 में चयनित एवं प्रशिक्षित ग्राम सामाजिक एनीमेटरों ने मनरेगा सहित अनेक शासकीय योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण सफलतापूर्वक किया है। इसके बावजूद पिछले एक वर्ष से उन्हें कोई कार्य नहीं दिया गया है तथा पूर्व में किए गए कार्यों का मानदेय भी लंबित है। संघ ने मांग की है कि वर्तमान में प्रस्तावित मध्याह्न भोजन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सभी योजनाओं का सोशल ऑडिट प्रशिक्षित ग्राम सामाजिक एनीमेटरों के माध्यम से ही कराया जाए। संघ ने ज्ञापन में यह भी कहा कि यदि सामाजिक अंकेक्षण का कार्य बाहरी एजेंसियों अथवा अप्रशिक्षित व्यक्तियों को दिया जाता है तो इससे प्रशिक्षित एनीमेटरों की उपेक्षा होगी, शासन के प्रशिक्षण पर किए गए व्यय का उचित उपयोग नहीं हो सकेगा तथा सामाजिक अंकेक्षण की गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रभावित होगी। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक से मांग की कि प्रशिक्षित ग्राम सामाजिक एनीमेटरों को नियमित रूप से कार्य उपलब्ध कराया जाए, लंबित मानदेय का भुगतान शीघ्र किया जाए तथा सामाजिक अंकेक्षण की व्यवस्था को पूर्ववत प्रशिक्षित ग्राम सामाजिक एनीमेटरों के माध्यम से संचालित किया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के झनकराम घोरमारे, अजय बिल्हारे, प्रहलाद बावनकर, अश्विन उके, सुनीता सिहोरे, अनिता बिसेने, सविता बोपचे, सुषमा दाते, संध्या भास्कर, आशा लिल्हारे तथा रामकली नगपुरे सहित अन्य ग्राम के सामाजिक एनीमेटर उपस्थित रहे।

खजरी बड़ा तालाब का रपटा तोड़कर व मोंगा खोलकर व्यर्थ बहाया जा रहा बारिश का संचित पानी, 200 एकड़ की सिंचाई पर संकट

सिंचाई विभाग ने जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का दिया भरोसा

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत खजरी का बड़ा तालाब इन दिनों अज्ञात लोगों द्वारा की गई कथित छेड़छाड़ के कारण चर्चा में है। ग्रामीणों के अनुसार तालाब का रपटा तोड़ दिया गया है तथा अपासी खोल दी गई है, जिससे बारिश का संचित पानी लगातार व्यर्थ बह रहा है। इसका सीधा असर क्षेत्र के लगभग 200 एकड़ कृषि रकबे की सिंचाई पर पड़ने की आशंका है। यदि समय रहते पानी का बहाव नहीं रोका गया तो आगामी रबी सीजन में किसानों को सिंचाई संकट का सामना करना पड़ सकता है। खजरी का बड़ा तालाब वर्षों से क्षेत्र के किसानों की सिंचाई का प्रमुख आधार रहा है। तालाब में वर्षा के दौरान संचित होने वाला पानी पूरे वर्ष कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता है। वर्तमान में तालाब का पानी तेजी से बहने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि यह पानी खेतों तक पहुंचने के बजाय व्यर्थ निकल रहा है, जिससे आने वाले समय में फसलों के लिए जल उपलब्धता प्रभावित होगी। सबसे अहम बात यह है कि तालाब के रपटे एवं अपासी को किसने नुकसान पहुंचाया, इसकी जानकारी फिलहाल किसी के पास नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डूब क्षेत्र सहित लगभग

70 एकड़ में फैला है तालाब

ग्रामीणों के अनुसार तालाब का विस्तार डूब क्षेत्र सहित लगभग 70 एकड़ में है। इसके डूब क्षेत्र में करीब 50 एकड़ निजी भूमि भी शामिल है, जहां वर्षा के बाद किसान एक फसल का उत्पादन करते हैं। वहीं प्रशासनिक अभिलेखों में तालाब का मूल क्षेत्रफल 8.04 हेक्टेयर (करीब 20 एकड़) दर्ज है। यह जलाशय न केवल सिंचाई का प्रमुख स्रोत है, बल्कि आसपास के भू-जल स्तर को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण तालाब केवल सिंचाई तक सीमित नहीं होते, बल्कि वर्षा जल का संरक्षण कर भू-जल स्तर बढ़ाने, कुओं और नलकूपों को रिचार्ज करने तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ऐसे में तालाब का पानी समय से पहले बह जाने से खेती के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की जल व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

इनका कहना है

मामला संज्ञान में आया है। तालाब के रपटे एवं अपासी को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्तियों का पता लगाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव के साथ बैठक कर समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा, ताकि तालाब का पानी सुरक्षित रखा जा सके और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो।

रितुल नखाते, एसडीओ
सिंचाई विभाग, लांजी

आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 03 में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

गायत्री परिवार ने गर्भवती बहनों का पुंसवन संस्कार व बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया

पद्मेश न्यूज। लांजी। आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 03 में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड पार्षद प्रेमलता खोब्रागडे के द्वारा मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरिता श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित महिलाओं को स्तनपान के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराना चाहिए। जन्म के बाद निकलने वाला पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए अमृत समान होता है। यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है तथा दस्त, निमोनिया, खांसी, बुखार और अन्य संक्रमणों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिलाओं को बताया गया कि मां का दूध शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए सर्वोत्तम आहार है। यह आसानी से पच जाता है तथा कब्ज, गैस और पेट संबंधी समस्याओं से भी बचाव करता है। मां के दूध में सभी आवश्यक पोषक तत्व उचित मात्रा में मौजूद होते हैं, जिससे बच्चे का समुचित विकास होता है।कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि स्तनपान से मां और शिशु के बीच प्रेम, अपनापन और विश्वास का संबंध मजबूत होता है। साथ ही यह सुरक्षित, स्वच्छ, सदैव उपलब्ध और किफायती पोषण का सबसे अच्छा माध्यम है। अंत में सभी महिलाओं से अपने नवजात शिशुओं को पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने तथा उसके बाद पूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखने का आग्रह किया गया।

गायत्री परिवार द्वारा गर्भवती बहनों का पुंसवन संस्कार

आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 में गायत्री शक्तिपीठ लांजी की परिव्राजक एवं आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी तहसील प्रभारी श्रीमती प्रमिला विनोद तिड़के एवं ट्रस्टी सुमन आसटकर द्वारा आंगनवा ?ी कार्यकर्ता सरीता श्रीवास्तव से सम्पर्क कर 5 गर्भवती बहनों श्रीमती ज्योति भण्डारकर, श्रीमती पूर्णिमा भोंडेकर, श्रीमती शीतल घुले, श्रीमती आशा ठाकरे व श्रीमती रूपाली बागरे का पुंसवन संस्कार एवं 2 बहनों श्रीमती कृति यादव की पुत्री कृंधा यादव व श्रीमती रूपाली बागरे की पुत्री कु. आरती बागरे का 6 माह की आयु पूर्ण होने पर अन्नप्राशन संस्कार करवाया गया। गायत्री परिवार ट्रस्ट ने सभी बहनों को सुखी दाम्पत्य जीवन की मंगल कामना की।

कार्यक्रम में ये रहें मौजूद

इस दौरान कार्यक्रम मे पार्षद प्रेमलता खोबरागड़े, सुपरवाइजर वसुंधरा घरडे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरिता श्रीवास्तव, आशा खोब्रागडे, अनीता आमाडारे, चन्द्रकला सहारे, पुस्तकला गजभीये, आंगनवाड़ी सहायिका जागेश्वरी उपस्थित रहे। अंत मे आशा खोब्रागडे के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवी एजाज डी खान सुपुर्द ऐ खाक

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता समाज सेवी एजाजुद्दीन खान उर्फ बाबूजी पटेल का 4 अगस्त 2026 को करीब 12 बजे रायपुर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वो कुछ दिनों से ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त थे, जिनका रायपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अपनी अंतिम सांसे ली। आप अपने पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री, बहु नाती पोतों से भरा पूरा परिवार छोडकर अल्लाह को प्यारे हो गए। आपका अंतिम संस्कार रायपुर स्थित कब्रिस्तान में शाम 7 बजे नमाज़ ए ईशा के बाद सामाजिक रीति रिवाजों के साथ सुपुर्द ऐ खाक किया गया। आपकी अंतिम यात्रा मे जनप्रतिनिधि, नाते रिस्तेदार, इष्ट मित्रों ने पंहुच कर अंतिम श्रद्धांजली प्रदान की। ब्लॉक कॉंग्रेस कमेटी लांजी बहेला के द्वारा भी बाबु जी पटेल को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन कैबिनेट का फैसला...6846 टीचरों का वेतन बढ़ेगा, 35 साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को फायदा

मप्र में 10 हजार शिक्षकों की होगी भर्ती

100 प्रतिशत रिजल्ट देने वाले प्राचार्यों को एक लाख की सम्मान राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मध्य प्रदेश में 10 हजार शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी। वहीं जनजातीय कार्य विभाग के 6846 शिक्षकों को चौथा क्रमोन्नत वेतनमान मिलेगा। इसका फायदा 35 साल की नौकरी पूरी कर चुके शिक्षकों को 1 जुलाई 2023 से मिलेगा। इससे सरकार पर 182 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आएगा।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों को 30 साल की नौकरी पूरी होने के बाद तृतीय क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ दिया जा रहा है। वहीं, 35 साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को 1 जुलाई 2023 के बाद चौथे क्रमोन्नत वेतनमान दिया गया है। इसके अलावा खेल व युवा कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग की अलग-अलग योजनाओं को 2031 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। हाई कोर्ट की जबलपुर बेंच के लिए 20 फरवरी को मंजूर किए गए पदों को नए पदनाम देकर मंजूरी दी गई है। बोर्ड परीक्षा में सौ फीसदी परिणाम देने वाले प्राचार्यों को एक लाख की सम्मान राशि दी जाएगी। स्कूल के विकास कार्यों के लिए पांच लाख रुपए भी दिए जाएंगे।

500 सरकारी स्कूलों में ह्व आधारित शिक्षा

प्रदेश के 8 जिलों के 500 सरकारी स्कूलों में कक्षा 8वीं से 11वीं तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पढ़ाया जाएगा। 60 नए सांदीपनि स्कूल भी खुलेंगे। इनके निर्माण पर 25,500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। हाई कोर्ट की जबलपुर बेंच के लिए 20 फरवरी को मंजूर किए गए पदों को नए पदनाम देकर मंजूरी दी गई है। इसके अलावा खेल व युवा कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग की अलग-अलग योजनाओं को 2031 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

मप्र कैबिनेट का बड़ा फैसला, किसानों को राहत देने के लिए कवच योजना मंजूर

- डिफाल्टर किसानों के लिए कवच बनी मोहन सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक में राज्य के किसानों के हित में एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। प्रदेश की प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के डिफाल्टर किसानों को राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने कवच योजना को हरी झंडी दे दी है। सरकार के इस कदम से कर्ज के बोझ तले दबे प्रदेश के हजारों किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

मंत्रिपरिषद द्वारा मंजूर की गई कवच योजना के लागू होने से प्रदेश के लगभग 5000 डिफाल्टर किसानों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों से जुड़े ये किसान लंबे समय से राहत की उम्मीद कर रहे थे। इस योजना के माध्यम से उन्हें वित्तीय संकट से उबारने और पुनः मुख्यधारा की बैंकिंग व कृषि ऋण व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सरकार और बैंकों की बराबर हिस्सेदारी

कवच योजना के क्रियान्वयन के लिए वित्तीय व्यवस्था भी तय कर दी गई है। योजना के अंतर्गत कुल राशि में राज्य सरकार और सहकारी बैंकों का आधा-आधा अंशदान रहेगा। इसमें 50 करोड़ रुपये की राशि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और अपेक्स बैंक मिलकर लगाएंगे, जबकि इतनी ही राशि यानी 50 करोड़ रुपये का योगदान राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार 100 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रावधान के साथ इस योजना के जरिए डिफाल्टर किसानों का वित्तीय बोझ कम किया जाएगा।

डीएलएड अंतिम वर्ष का रिजल्ट जारी करने की मांग तेज

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल परिसर में मंगलवार को डीएलएड अंतिम वर्ष के करीब 300 अभ्यर्थियों ने रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित होने में हो रही देरी उनके भविष्य और भर्ती प्रक्रिया पर सीधा असर डाल रही है।

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने मांग की कि माध्यमिक शिक्षा मंडल तत्काल डीएलएड अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित करे, ताकि समय पर अंकसूची मिल सके और वे आगामी दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया में शामिल हो सकें।

दस्तावेज सत्यापन से पहले रिजल्ट जारी करने की मांग

अभ्यर्थियों के अनुसार प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए 10 अगस्त से दस्तावेज सत्यापन शुरू होना है। यदि उससे पहले डीएलएड का रिजल्ट और अंकसूची जारी नहीं होती, तो बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सत्यापन प्रक्रिया से वंचित रह जाएंगे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इसी चिंता को लेकर लगभग 300 अभ्यर्थी माशिमं परिसर पहुंचे और जल्द से जल्द परिणाम घोषित करने की मांग की।

भर्ती पर पड़ सकता है असर

अभ्यर्थियों ने बताया कि करीब 10 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। ऐसे में रिजल्ट में और देरी होने पर योग्य अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाएंगे, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने मंडल से मांग की कि विद्यार्थियों के हितों को देखते हुए डीएलएड अंतिम वर्ष का परिणाम तत्काल घोषित किया जाए, ताकि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी अभ्यर्थी को नुकसान न उठाना पड़े।

पशुपालन विभाग के तबादलों का विवाद मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचा

भोपाल। मध्य प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग में हाल ही में हुए प्रशासनिक तबादलों को लेकर विवाद गहरा गया है। तबादलों से नाराज पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ और सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे और तबादला आदेशों को निरस्त करने की मांग की। प्रभावित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) और पशुपालन विभाग के सचिव को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। उन्होंने सार्थक एप के आधार पर किए गए स्थानांतरणों की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 15, 16 और 18 जून 2026 को जारी स्थानांतरण आदेशों में राज्य सरकार की स्थानांतरण नीति का पालन नहीं किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि कई तबादले प्रशासनिक आवश्यकता के बजाय मनमाने तरीके से किए गए, जिससे विभाग में असंतोष की स्थिति बनी हुई है। ज्ञापन के अनुसार, कई अधिकारियों का स्थानांतरण केवल ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर कर दिया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि बिना वास्तविक परिस्थितियों का आकलन किए उन्हें 700 से 1000 किलोमीटर दूर पदस्थ कर दिया गया, जिससे उन्हें व्यक्तिगत और पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी अधिकारियों ने राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और कुछ प्रभावशाली अधिकारियों को सूची से बाहर रखा गया, जबकि अन्य कर्मचारियों के तबादले कर दिए गए। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय से मांग की है कि पूरे स्थानांतरण प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि अनियमितताएं पाई जाएं तो संबंधित तबादला आदेश निरस्त किए जाएं। उनका कहना है कि पारदर्शी और नीति आधारित स्थानांतरण व्यवस्था से ही कर्मचारियों का विश्वास बहाल हो सकेगा।

दतिया फतह से पटवारी का बढ़ा सियासी कद

2028 की लड़ाई के लिए कांग्रेस को मिली नई ऊर्जा,संगठन-रणनीति की परीक्षा

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत सिर्फ एक सीट तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व की बड़ी राजनीतिक परीक्षा में मिली सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विजयपुर उपचुनाव के बाद दतिया में मिली जीत ने यह संकेत दिया है कि विपक्ष में रहते हुए भी कांग्रेस चुनावी मुकाबले में भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है। साथ ही इस परिणाम ने प्रदेश संगठन में जीतू पटवारी की पकड़ और केंद्रीय नेतृत्व के बीच उनकी स्वीकार्यता को भी मजबूती दी है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद जीतू पटवारी लगातार पार्टी के भीतर आलोचनाओं का सामना कर रहे थे। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की सीट हाथ से निकलने के बाद उनके नेतृत्व पर सवाल उठे थे, लेकिन दतिया उपचुनाव का परिणाम उनके लिए राजनीतिक संजीवनी बनकर सामने आया है। अब माना जा रहा है कि पार्टी आलाकमान का भरोसा उन पर और मजबूत होगा।

दतिया को बनाया प्रतिष्ठा का चुनाव

कांग्रेस ने दतिया उपचुनाव को प्रतिष्ठा की लड़ाई बनाया था। जीतू पटवारी मतदान तक क्षेत्र में डटे रहे। उन्होंने सिर्फ चुनावी सभाएं ही नहीं कीं, बल्कि बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय रखने, कार्यकर्ताओं में समन्वय बनाने और गुटबाजी पर नियंत्रण रखने पर भी विशेष ध्यान दिया। चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन एकजुट दिखाई दिया, जिसका असर नतीजों में भी देखने को मिला।

युवा टीम ने संभाली कमान

इस चुनाव में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, वरिष्ठ नेता जयवर्धन सिंह, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और कांग्रेस की युवा टीम लगातार मैदान में सक्रिय रही। वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी दतिया पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। कांग्रेस नेताओं ने गांव-गांव पहुंचकर स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और भाजपा को घेरने की रणनीति पर काम किया।

चंबल में कांग्रेस की मौजूदगी का संदेश

लोकसभा चुनाव में चंबल-ग्वालियर अंचल की सभी सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। ऐसे में दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत ने यह संदेश दिया है कि इस क्षेत्र में पार्टी अब भी मजबूत राजनीतिक चुनौती पेश करने की क्षमता रखती है। यह परिणाम कांग्रेस के लिए सिर्फ एक सीट की जीत नहीं, बल्कि संगठन के पुनर्जीवन का संकेत माना जा रहा है।

2028 विधानसभा चुनाव की तैयारी का संकेत

दतिया की जीत के बाद कांग्रेस अब 2028 विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर अधिक आत्मविश्वास में नजर आ रही है। खुद जीतू पटवारी इस जीत को सामूहिक प्रयास का परिणाम बता चुके हैं। उनका कहना है कि यदि संगठन इसी तरह मजबूत और एकजुट रहा तो 2028 में कांग्रेस सत्ता में वापसी कर सकती है। हालांकि, अब सबसे बड़ा सवाल यह होगा कि क्या कांग्रेस 2028 का विधानसभा चुनाव जीतू पटवारी के नेतृत्व में लड़ेगी। दतिया की जीत के बाद उनके नेतृत्व को नई मजबूती जरूर मिली है, लेकिन आने वाले समय में संगठन विस्तार, जन आंदोलनों और चुनावी प्रदर्शन पर ही उनके राजनीतिक कद का अगला आकलन होगा।

मप्र महिला कांग्रेस ने 24 जिला अध्यक्ष घोषित की

भोपाल। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लाम्बा द्वारा मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की प्रथम सूची को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है उनके नाम इस प्रकार है -

1. ज्योति सिंह ग्वालियर - शहर
2. प्रियंका सोनी जबलपुर - शहर
3. अर्चना दहिया जबलपुर - ग्रामीण
4. हेमलता सिंह सतना - ग्रामीण
5. विजय लक्ष्मी रीवा - ग्रामीण
6. रजनी वर्मा कटनी - शहर
7. ममता कुशवाह मुरैना - शहर
8. मंजू सिकरवार मुरैना - ग्रामीण
9. यासमीन शेरानी रतलाम - शहर
10. रानी देवड़ा रतलाम - ग्रामीण
11. डॉ. किरणलता सोनी सागर - शहर
12. ऋचा सिंह सागर - ग्रामीण
13. कुमुदिनी सिंह सीधी - शहर
14. शालिनी श्रीवास्तव सिंगरौली - शहर
15. शांति कुशवाह भिंड - शहर
16. श्रुति बघेल देवास - ग्रामीण
17. दीपा मिश्रा मैहर
18. प्रीति महेश्वरी धार
19. सरला सिसोदिया छिंदवाड़ा
20. अधिवक्ता नेहा छावरे होशंगाबाद
21. गौरी कटारा झाबुआ
22. नीतू सिंह राजपूत विदिशा
23. रानी सतारवाला मांदसौर
24. कृष्णा राठौर श्योपुर

हार की गाज गिरेगी कई नेताओं पर

दतिया हार की समीक्षा के लिए दो सदस्यीय समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में मिली हार के बाद भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर मंथन तेज कर दिया है। पार्टी अब चुनावी नतीजों की समीक्षा के साथ-साथ हार के कारणों और कथित अनुशासनहीनता की जांच पर फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास पर हुई बैठक के बाद संगठन में बदलाव और अनुशासनात्मक कार्रवाई की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने दतिया उपचुनाव में हार के कारणों की विस्तृत समीक्षा शुरू कर दी है। चुनाव के दौरान कथित भीतरघात और स्थानीय स्तर पर संगठन की भूमिका की जांच के लिए प्रदेश नेतृत्व सक्रिय हो गया है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। हार के कारणों की पड़ताल के लिए भाजपा ने प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे और अंबाराम कराड़ा की दो सदस्यीय समिति बनाई है। समिति स्थानीय संगठन, चुनाव प्रबंधन और बूथ स्तर की गतिविधियों की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंपेगी। इसके साथ ही दतिया के मंडलों की जिम्मेदारी संभालने वाले छह मंत्रियों से मंडलवार रिपोर्ट भी मांगी गई है, ताकि हार के वास्तविक कारणों का आकलन किया जा सके।

संगठन में बदलाव की अटकलें

पार्टी सूत्रों के अनुसार, समीक्षा रिपोर्ट के बाद दतिया जिला संगठन में बदलाव किए जा सकते हैं। जिला कार्यकारिणी के पुनर्गठन, जिलाध्यक्ष के दायित्व में परिवर्तन और अनुशासनहीनता के आरोपों की जांच जैसे कदमों पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, इन संभावित कार्रवाइयों पर अभी पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सूत्रों का कहना है कि दतिया उपचुनाव की विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भी भेजी जाएगी। प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष के बीच भी इस मुद्दे पर लगातार चर्चा चल रही है। मुख्यमंत्री के मुंबई दौरे से लौटने के बाद संगठन के चुनिंदा पदाधिकारियों के साथ एक और समीक्षा बैठक होने की संभावना जताई जा रही है। भाजपा अब दतिया उपचुनाव को केवल एक चुनावी हार नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और जवाबदेही के नजरिए से भी देख रही है। आने वाले दिनों में समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर पार्टी की अगली रणनीति और संभावित कार्रवाई स्पष्ट हो सकती है।

पटवारियों पर सीधे एफआईआर नहीं होगी

कलेक्टरों को जारी किए गए निर्देश, पहले होगी प्रारंभिक जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी पटवारी के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज न की जाए। एफआईआर से पहले पूरे मामले की प्रारंभिक जांच (प्रारंभिक परीक्षण) कराई जाएगी। हालांकि सरकार के इस फैसले के बावजूद प्रदेशभर के पटवारी फिलहाल हड़ताल से वापस नहीं लौटे हैं।

प्रमुख सचिव, राजस्व ने सभी जिलों के कलेक्टरों को भेजे पत्र में कहा है कि यदि किसी पटवारी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की स्थिति बनती है, तो पहले मामले की तथ्यात्मक जांच की जाए। प्रारंभिक परीक्षण के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पटवारी कई मामलों में, विशेषकर वसीयत और अन्य राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों में केवल प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। अंतिम निर्णय संबंधित राजस्व न्यायालय द्वारा तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर लिया जाता है। इसके बावजूद कुछ मामलों में सीधे पटवारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिससे असंतोष की स्थिति बनी।

पटवारी संघ की मांग पर निर्णय

एमपी पटवारी संघ ने 20 जुलाई को सरकार को दिए ज्ञापन में मांग की थी कि बिना जांच के पटवारियों पर एफआईआर दर्ज न की जाए और उन्हें विधिसम्मत संरक्षण दिया जाए। सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए सभी कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान सोमवार को पटवारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्रालय पहुंचा और प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार से मुलाकात कर अपनी मांगों पर चर्चा की। बैठक में बिना प्रारंभिक जांच एफआईआर दर्ज नहीं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था।

23 हजार पटवारी हड़ताल पर

प्रदेश के करीब 23 हजार पटवारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने पहले 15 से 17 जुलाई तक सामूहिक अवकाश लिया। इसके बाद सरकारी व्हाट्सएप समूहों से बाहर होने और त्वरित कार्रवाई से दूरी बनाने जैसे चरणबद्ध आंदोलन किए। मांगों पर समाधान नहीं होने के बाद 3 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी, जिससे राजस्व संबंधी कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

हाईकोर्ट में जल्द हो सकती है गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई

भोपाल। ट्विशा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में आरोपी सास पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने जमानत के लिए मप्र हाईकोर्ट की शरण ली है। जानकारी के अनुसार सोमवार को दायर जमानत याचिका में उन्होंने उम्र, स्वास्थ्य संबंधी कारणों और अपने खिलाफ ठोस साक्ष्य नहीं होने का हवाला देते हुए राहत की मांग की है। गौरतलब है कि गिरिबाला सिंह की बहू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। शुरुआत में उन्हें अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, अग्रिम जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने उसे निरस्त कर दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

निजी स्कूलों के लिए नई गाइडलाइन लागू

छात्र संख्या के आधार पर जमा करनी होगी सिक्योरिटी डिपॉजिट - नियम तोड़ने पर 2 लाख तक जुर्माना और मान्यता रद्द होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में निजी हाईस्कूल और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने नई गाइडलाइन जारी कर दी है। अब निजी विद्यालयों को स्थापना, मान्यता, नवीनीकरण, मान्यता विस्तार, संकाय वृद्धि, माध्यम परिवर्तन, स्थान परिवर्तन और नाम परिवर्तन सहित सभी प्रक्रियाओं के लिए नए नियमों का पालन करना होगा। नई व्यवस्था के तहत मान्यता प्राप्त करने या उसका नवीनीकरण कराने वाले विद्यालयों को छात्र संख्या के आधार पर सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करना होगा। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर 1 लाख से 2 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा और गंभीर मामलों में उनकी मान्यता भी निरस्त की जा सकेगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षक व्यवस्था पर रहेगा विशेष फोकस

नई गाइडलाइन में निजी विद्यालयों के लिए आधारभूत सुविधाओं को अनिवार्य किया गया है। मान्यता के लिए विद्यालयों में पर्याप्त भवन, योग्य शिक्षक, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सुविधाएं, विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी। विभाग का उद्देश्य निजी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और न्यूनतम मानकों को एकरूप बनाना बताया जा रहा है।

राज्य स्तर पर बनेगी मान्यता समिति

नई व्यवस्था के तहत निजी विद्यालयों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मामलों के लिए राज्य मान्यता समिति गठित की जाएगी। कम से कम तीन सदस्यीय इस समिति में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव या सचिव, लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त तथा माध्यमिक शिक्षा मंडल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। समिति मान्यता, नवीनीकरण, विस्तार, संकाय वृद्धि, स्थान परिवर्तन और नाम परिवर्तन जैसे मामलों पर अंतिम निर्णय लेगी।

30 सितंबर तक करना होगा आवेदन

विद्यालयों को मान्यता अथवा नवीनीकरण के लिए निर्धारित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा। हर वर्ष 30 सितंबर तक प्राप्त आवेदन उसी शैक्षणिक सत्र के लिए विचार किए जाएंगे। इसके बाद प्राप्त आवेदन अगले शैक्षणिक सत्र के लिए मान्य होंगे। नई मान्यता प्राप्त किए बिना कोई भी निजी विद्यालय नई शाखा प्रारंभ नहीं कर सकेगा।

45 दिन में होगा फैसला

ऑनलाइन आवेदन मिलने के बाद संबंधित अधिकारी को 45 दिनों के भीतर अंतिम निर्णय लेना होगा। यदि आवेदन अधूरा पाया जाता है तो 15 दिनों के भीतर आवेदक को कमियों की सूचना दी जाएगी। इसके बाद निर्धारित समय सीमा में संशोधित आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

नियम तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई

यदि कोई विद्यालय निर्धारित मानकों का पालन नहीं करता है तो सबसे पहले उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और सुधार का अवसर दिया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विद्यालय पर 1 लाख से 2 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। गंभीर मामलों में राज्य मान्यता समिति की अनुमति से विद्यालय की मान्यता निलंबित या पूरी तरह निरस्त भी की जा सकेगी। यदि किसी विद्यालय का आवेदन अस्वीकार कर दिया जाता है या उसकी मान्यता समाप्त कर दी जाती है, तो संबंधित संस्था 30 दिनों के भीतर आयुक्त, लोक शिक्षण के समक्ष अपील कर सकेगी। आयुक्त के निर्णय के विरुद्ध राज्य मान्यता समिति में दूसरी अपील का भी प्रावधान रखा गया है।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में 39,589 सीटें खाली

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीटेक प्रवेश के लिए दो चरणों की ऑनलाइन सेंट्रलाइज्ड काउंसलिंग पूरी होने के बावजूद 39,589 सीटें अब भी खाली हैं। अब इन सीटों को भरने की जिम्मेदारी 7 अगस्त से शुरू होने वाली कॉलेज लेवल काउंसलिंग पर होगी। उच्च शिक्षा विभाग (डीटीई) के 31 जुलाई तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 135 इंजीनियरिंग संस्थानों में बीटेक की 75,249 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें 52,248 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जबकि 56,414 अभ्यर्थियों ने चॉइस फिलिंग की। दो चरणों की काउंसलिंग और इंटरनल ब्रांच चेंज प्रक्रिया पूरी होने के बाद 35,660 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में सीटें रिक्त हैं। अब कॉलेजों को उम्मीद है कि सीएलसी के माध्यम से शेष सीटों पर प्रवेश मिल सकेगा। प्रवेश प्रक्रिया का अगला चरण कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) होगा, जो 7 अगस्त से शुरू किया जाएगा। इस चरण में कॉलेज अपनी रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

कंप्यूटर साइंस रही पहली पसंद

ब्रांचवार प्रवेश में इस वर्ष भी कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) विद्यार्थियों की पहली पसंद रही। करीब 21 हजार सीटों में से लगभग 7 हजार विद्यार्थियों ने सीएसई शाखा में प्रवेश लिया। वहीं सिविल इंजीनियरिंग में 7,201 सीटों के मुकाबले केवल 1,042 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया, जिससे इस शाखा में बड़ी संख्या में सीटें खाली रह गईं।

शफीक के शतक और बाबर के अर्धशतक से पाकिस्तान ने पहली पारी में बनाये 266/2

जमैका। अब्दुला शफीक की शतकीय पारी के साथ ही कप्तान बाबर आजम व युवा अजान ओवैस के अर्धशतकों की सहायता से पाकिस्तान ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अच्छी वापसी की है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पर पाक ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 266 रन बना लिए। खेल समाप्त होने के समय शफीक 107 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि बाबर आजम ने 86 रन बनाये थे। इस प्रकार पाक टीम अब वेस्टइंडीज के 344 रनों के स्कोर से केवल 78 रन ही पीछे है।

अजान ओवैस और इमाम उल हक ने पाक की दूसरी पारी की शुरुआत की। इमाम बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 14 रन ही बना पाये। इसके बाद युवा सलामी बल्लेबाज अजान ओवैस ने 71 गेंदों में 55 रन बना दिये। अजान के आउट होने के बाद, अब्दुला शफीक और बाबर आजम ने तेजी से रन बनाये। दोनों ने मिलकर एक अच्छी साझेदारी बनाई, जिसने पाक को मैच में आगे बढ़ने का अवसर मिल गया। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से जोमेल वारिकन और शमार जोसेफ ने एक-एक विकेट लिया।

वहीं इससे पहले, वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 344 रन बनाये थे। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स और रोस्टन चेज ने अच्छा प्रदर्शन किया। ग्रीव्स ने 173 गेंदों में 73 रन बनाये। उनके अलावा रोस्टन चेज ने भी 70 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा ब्रेंडन किंग ने 46, शाई होप ने 29 और अमीर जंगू ने 26 रन बनाए। वहीं पाक की ओर से

साजिद खान ने 32.4 ओवर में 85 रन देकर 4 विकेट लिए। साजिद के अलावा मोहम्मद अली, उवैद हुसैन और अली उस्मान ने भी दो-दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा।

पीसीबी ने माइक स्मिथ को बनाया नया बल्लेबाजी कोच

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्लास क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है।

पाक टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। इसी बीच अचानक की नये बल्लेबाज कोच की घोषणा कर दी गयी है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रही है। उसी को देखते हुए स्मिथ को कोच बनाया गया है।

स्मिथ की नियुक्ति से कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैरान हैं क्योंकि नये कोच बनाये गये स्मिथ ने अपने करियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि अब उनकी जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम सहित पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को सुधारना और उन्हें स्थिरता प्रदान करना रहेगा। नये कोच की पहली परीक्षा आगामी इंग्लैंड दौरे पर होगी जहां पाकिस्तान टीम को तीन टेस्ट सीरीज खेलनी है।

गौरतलब है कि स्मिथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही नहीं पहुंच पाये हों पर कोचिंग की दुनिया में उनका अनुभव काफी गहरा है। वह एक लेवल-4 योग्यता प्राप्त बल्लेबाजी कोच हैं और लीग क्रिकेट में बल्लेबाजों के साथ काम करने का उनका लंबा और सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कई टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें पाकिस्तान के घरेलू खिलाड़ियों और वहां की खेल परिस्थितियों की गहरी समझ है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने उनकी इसी स्थानीय समझ और कोचिंग विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए कोच बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने बल्लेबाजी कोच की तलाश के लिए सार्वजनिक रूप से आवेदन मांगे थे। कई उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने माइक स्मिथ के नाम पर सहमति बनाई। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद वह इंग्लैंड दौरे के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। दरअसल, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की बल्लेबाजी लगातार सवालों के घेरे में है। टीम अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रही है और विशेष रूप से विदेशी दौरों पर बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में पीसीबी को उम्मीद है कि स्मिथ अपनी विशेषज्ञता से बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को दूर कर टीम को बल्लेबाजी में स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर पाएंगे।

धोनी नहीं नेहरा हैं सबसे चतुर क्रिकेटर - मोइन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली का मानना है कि गुजरात टाइटंस के कोच और पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा सबसे चतुर क्रिकेटर है। मोइन के अनुसार नेहरा की खेल को लेकर समझ सबसे बेहतर है। वहीं आम तौर पर अब तक ये माना जाता रहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को खेल की सबसे बेहतर समझ है और वह हालातों का आंकलन करने में माहिर रहे हैं। इसी कारण उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतीं हैं। माना जाता है कि मैदान पर धोनी की हर चाल, हर फैसला विरोधियों से दो कदम आगे का होता था। वहीं मोइन इससे सहमत नहीं दिखते मोइन के अनुसार नेहरा का क्रिकेटिंग दिमाग धोनी से भी तेज है। मोईन के अनुसार उन्होंने साल 2018 और 2019 के आईपीएल सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में नेहरा के साथ समय बिताया था और उसी दौरान ही उन्हें नेहरा के क्रिकेट ज्ञान के बारे में पता चला। मोईन ने नेहरा के क्रिकेट दिमाग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि नेहरा के पास सबसे शानदार क्रिकेट ब्रेन है और वह खेल की लगभग हर स्थिति को समझते हैं। उनके पास हर स्थिति के लिए कोई न कोई समाधान या थ्योरी हमेशा तैयार रहती है। यह दिखाता है कि नेहरा केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं देते, बल्कि हालातों का आंकलन कर पहले से ही रणनीति बना लेते हैं। मोईन ने साथ ही कहा, उनकी हर बात के पीछे एक ठोस सोच होती है, जो या तो किसी डेटा पर आधारित होती है या फिर किसी प्रमाण पर। जैसे कि यह पहले हो चुका है और तब यह हुआ था, इसलिए अब यह हो सकता है। यह पहलू नेहरा की वैज्ञानिक और तार्किक सोच को उजागर करता है, जहां वे केवल अनुभव पर नहीं, बल्कि सत्यापित तथ्यों पर भरोसा करते हैं।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम में व्लामिन्क और ब्राउन की वापसी

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारत दौरे के लिए अपनी महिला ए टीम में तेज गेंदबाज टायला व्लामिन्क और युवा ऑलराउंडर डार्सी ब्राउन को शामिल किया है। यह दौरा युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए भारतीय हालातों में अपने को परखने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छा अवसर भी बनेगा। इसके साथ ही आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के लिए खिलाड़ियों को भी इससे तैयार किया जा सकेगा।

टायला के लिए यह वापसी काफी अहम है। टी20 विश्व कप के दौरान ही कंधे में चोट के कारण वह लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर थीं। वहीं पूरी तरह से फिट होकर लौट रही व्लामिन्क को भी भारत के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 प्रारूपों में अपनी तेज गति और अनुभव से लाभ मिले। इस गेंदबाज के होने से ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण बेहतर होगा।

ब्राउन भी इस दौरे के साथ वापसी कर रही हैं। उन्हें पिछले टी20 विश्व कप में जगह नहीं मिल पाई थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ए टीम में उनकी वापसी ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को फिर से साबित करने का एक और अवसर दिया है। ब्राउन की ऑलराउंड क्षमता टीम के संतुलन के लिए महत्वपूर्ण होगी और युवा खिलाड़ियों को उनके अनुभव का लाभ उठाने का मौका भी मिलेगा।

यह बहुप्रतीक्षित दौरा तीन सप्ताह तक चलेगा, जिसमें खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में अपनी क्षमताओं को निखारने का मौका मिलेगा। दौरे की शुरुआत न्यू चंडीगढ़ में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से होगी, जिसके बाद मोहाली में तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। अंत में, धर्मशाला में एक चार दिवसीय मैच के साथ यह दौरा समाप्त होगा, जो खिलाड़ियों को लंबे प्रारूप में भी अनुभव देगा।

टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी भी अलग-अलग प्रारूपों में विभाजित की गई है ताकि नेतृत्व के नए चेहरों को अनुभव मिल सके। एकदिवसीय मैचों में ताहलिया विल्सन टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि टी20 मुकाबलों में निकोल फाल्टम को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। चार दिवसीय मैच में रेचल ट्रेनमैन टीम की कमान संभालेंगी।

21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में नीरज का मुकाबला शीर्ष खिलाड़ियों से होगा

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में जीत के इरादे से उतरेंगे। ग्लासगो राष्ट्रमण्डल खेलों में नीरज रजत पदक ही जीत पाये थे। ऐसे में उनका लक्ष्य अब स्वर्ण जीतना रहेगा। नीरज का प्रयास इससे पहले पूरी तरफ से फिट होना रहेगा। जिससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह चोट से उबरने के बाद नीरज का तीसरा टूर्नामेंट होगा, और उनके प्रदर्शन में धीरे-धीरे सुधार दिख रहा है। जून में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने 85.69 मीटर का थ्रो फेंककर चौथा स्थान हासिल किया था, जो उनकी वापसी के शुरुआती संकेत थे। हालांकि, उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ग्लासगो में 85.83 मीटर रहा है। लुसाने में यह सिर्फ पदक जीतने की बात नहीं होगी, बल्कि उनकी फिटनेस और शीर्ष एथलीटों के खिलाफ उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता का

भी एक महत्वपूर्ण परीक्षण होगा।

लुसनो में नीरज का सामना श्रीलंका के रूमेश पथिरागे से भी होगा। पथिरागे ने इस सत्र में शानदार फॉर्म दिखाया है; उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर स्वर्ण पदक जीता था और जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का एक असाधारण थ्रो दर्ज किया था, जो इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और उन्हें मौजूदा समय के सबसे खतरनाक एथलीटों में से एक बनाता है।

उनके अलावा, राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, और पूर्व विश्व चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट जैसे दिग्गज भी नीरज को कड़ी टक्कर देंगे। टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इस प्रतियोगिता में अपनी किस्मत आजमाएंगे। इस स्पर्धा में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले चुके पांच खिलाड़ी भी नजर आएंगे, जिससे मुकाबले में प्रतिस्पर्धा और बढ़ जाएगी।

आयोजकों ने इस प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह व्यक्त किया है। उन्होंने बताया है कि पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे, जिससे यह एक ऐतिहासिक इवेंट बन जाएगा। लुसाने में नीरज के लिए यह मुकाबला सिर्फ पदक जीतने से कहीं अधिक होगा। यह उनकी वापसी की राह में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जहाँ उन्हें अपनी क्षमता को विश्व के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों के सामने साबित करना होगा।

वोटिंग से चुने गए छात्र प्रतिनिधि, गौरव सोमनकर बने शालानायक

मतपेटी और मतपत्र से हुआ चुनाव, विद्यार्थियों ने लोकतंत्र का लिया व्यावहारिक अनुभव

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्थानीय वीरांगना रानी अवंती बाई शिशु मंदिर, लांजी में सोमवार को लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शाला नायक एवं छात्र प्रतिनिधि चुनाव का आयोजन किया गया। चुनाव में विद्यार्थियों ने मतपेटी और मतपत्र के माध्यम से मतदान कर अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। मतदान से पूर्व सभी प्रत्याशियों ने अपना परिचय देते हुए विद्यालय के विकास एवं छात्र हित से जुड़े अपने विचार और योजनाएं विद्यार्थियों के समक्ष रखीं। इसके बाद विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। चुनाव प्रभारी कुमारी पूनम नेवारे, श्रीमती दमयंती राणे एवं कुमारी दीक्षा कुशले की निगरानी में पूरी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतगणना के बाद घोषित परिणाम में गौरव राजकुमार सोमनकर शालानायक तथा कुमारी ऋषिका नोहरसिंह पुसाम उपशालानायक निर्वाचित हुईं। स्काउट नायक पद पर वीर गोकुल कचवाहे एवं सुशांत विजय बम्बुरे, क्रीड़ा नायक पद पर निगम संतोष पाँचे एवं अरविंद परदेशी पाँचे, जबकि

सांस्कृतिक प्रभारी के रूप में कुमारी आयुषी रविंद्र पंजरे, कुमारी संध्या सुरेश पाँचे एवं कुमारी दिव्यानी लीलचंद घोरमारे विजयी रहीं। शाला में प्रत्येक कक्षा के लिए भी कैप्टन एवं उपकैप्टन का चुनाव कराया गया। जिसमें केजी-1 से कैप्टन देवांश शिवप्रसाद नगपुरे तथा उपकैप्टन कुमारी रिया सोनू नेवारे, केजी-2 से कैप्टन कुमारी काव्या बड़में तथा उपकैप्टन प्रिंस गणेश नेवारे, कक्षा पहली से कैप्टन पार्थ योगेश नगपुरे एवं उपकैप्टन कुमारी अनवी अजित श्यामकुवर, कक्षा दूसरी से कैप्टन कुमारी रिद्धी नोहरसिंह पुसाम एवं उपकैप्टन वंश महेशवरे, कक्षा तीसरी से कैप्टन कुमारी रक्षा रामनाथ चौहान एवं उपकैप्टन अभिनव नरेश चौहान, कक्षा चौथी से कैप्टन कुमारी दुर्मिशा लीलचंद घोरमारे एवं उपकैप्टन कुमारी सिद्धी कैलाश सोमनकर, कक्षा पाँचवीं से कैप्टन कुमारी पवित्रा शिवशंकर दुगरूकर एवं उपकैप्टन यंश गणेश मेहरबान, कक्षा छठवीं से कैप्टन कुमारी पूर्वी भुमेन्द्र मेहरबान एवं उपकैप्टन आर्यन गोस्वामी, कक्षा सातवीं से कैप्टन झावेश प्रमोद डोंगरे एवं उपकैप्टन कुमारी राजवी राकेश कोठारे, तथा कक्षा आठवीं से कैप्टन कुमारी ईशिता सोनू नेवारे एवं उपकैप्टन कुमारी लालिमा फागेश्वर खरे निर्वाचित हुए। प्रधानाचार्य विजय कुमार कुशले ने सभी निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व ईमानदारी, अनुशासन, आत्मविश्वास, सेवा भावना और टीम भावना के साथ कार्य करने में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों को विद्यालय एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान के तहत पौधरोपण कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुमारी पूनम नेवारे, श्रीमती दमयंती राणे, कुमारी दीक्षा कुशले, झनकार कुशले, कुमारी सोहानी सोलंकी, कुमारी रिया भोंडेकर, श्रीमती आंचल किरमे, श्रीमती काजल सातपुते, श्रीमती तामेश्वरी नारनौरे एवं कुमारी मोहिनी कोठारे सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

एमपीपीएससी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 8 से 13 अगस्त तक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी), इंदौर द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 का आयोजन 8 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन एक सत्र में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक ऑफलाइन पद्धति से आयोजित होगी। कलेक्टर कुमार सत्यम ने इस परीक्षा के सुव्यवस्थित आयोजन एवं संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ करने के निर्देश दिये है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर के निर्देशानुसार परीक्षा की प्रक्रियात्मक निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा अभ्यर्थियों और नागरिकों का विश्वास बनाए रखने के उद्देश्य से बालाघाट जिले के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. श्रीकांत पाण्डे को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। डॉ. पाण्डे परीक्षा प्रारंभ होने के दो दिन पूर्व से जिले के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। वहीं परीक्षा के दौरान वे विभिन्न केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

संभागीय पर्यवेक्षक को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बालाघाट में पदस्थ सहायक संचालक श्री सी.एस. मरावी को लायजनिंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे पर्यवेक्षक को आवश्यक प्रशासनिक एवं लिपिकीय सहयोग प्रदान करेंगे तथा आवश्यकता अनुसार ई-मेल, कंप्यूटर एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को आयोग के निर्देशों के अनुरूप परीक्षा की सभी व्यवस्थाएं समय पर एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न हो सके।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिले में हर्षोल्लास के साथ धमूधाम से मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के लिए कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने 04 अगस्त को अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, विजय यादव, श्री एमआर कोल, एसडीएम श्री गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि जिला मुख्यालय बालाघाट में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के सभी कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड बालाघाट में होंगे। सभी

कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज के फहराने का समय 7 से 8 के बीच होगा। तहसीलदार को निर्देश दिया गया कि पुलिस परेड ग्राउंड के कार्यक्रम में अतिथियों की समुचित बैठक व्यवस्था व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के कार्यक्रम में बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें घर से लाने और वापस ले जाने की जिम्मेदारी दी गई। मुख्य समारोह में माइक और साउंड बॉक्स की व्यवस्था मुख्य नगर पालिका अधिकारी के जिम्मे रहेगी। मुख्य समारोह के लिए वाटरफ्रूफ पंडाल की देखरेख सीएमओ को सौंप गई है। विद्युत व्यवस्था की जिम्मेदारी कार्यपालन अधिकारी एमपीईबी देखेंगे।

बैठक में तय किया गया कि मुख्य समारोह में होने वाली परेड की रिहर्सल 06 अगस्त से प्रारंभ कर 12 अगस्त तक होगी।एंबुलेंस, हैंड सेनीटाइजर की समुचित व्यवस्था सीएमएचओ करेंगे। बैठक में तय किया गया कि स्वतंत्रता दिवस पर कोई भी व्यक्ति प्लास्टिक के झंडे का उपयोग नहीं करेगा और न ही विक्रय करेगा। तिरंगा झंडा कपे का ही उपयोग किया जायेगा और वह भी निर्धारित लंबाई व चौाई का होना चाहिए। प्लास्टिक के तिरंगे झंडे विक्रय करने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय भवन सहित सभी शासकीय कार्यालयों व भवनों तथा सार्वजनिक स्थलों व भवनों पर 14 अगस्त से ही तिरंगे के रंग की रोशनी की जाएगी । मुख्य समारोह की सांस्कृतिक कार्यक्रम सीमित के अध्यक्ष जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ व अपर कलेक्टर श्री धुर्वे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था देखंगे।

दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन आमंत्रित, 20 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय डाक विभाग ने फिलैटली छात्रवृत्ति योजना दीनदयाल स्पर्श योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। योजना के तहत प्रत्येक कक्षा से 10-10 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को एक वर्ष के लिए 6,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

योजना के लिए मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 6 से 9 के नियमित विद्यार्थी पात्र होंगे। आवेदक का संबंधित विद्यालय के फिलैटली क्लब का सदस्य होना आवश्यक है। जिन विद्यालयों में फिलैटली क्लब संचालित नहीं है, वहां के विद्यार्थियों के लिए किसी भी डाकघर में सक्रिय फिलैटली जमा खाता होना अनिवार्य होगा। बिना सक्रिय फिलैटली जमा खाते के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पात्रता के लिए विद्यार्थी का पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त होना आवश्यक है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

चयन प्रक्रिया दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में 30 सितंबर 2026 को एक घंटे की लिखित क्विज परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में कुल 50 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें समसामयिकी, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, खेल एवं संस्कृति के साथ स्थानीय और राष्ट्रीय फिलैटली से संबंधित प्रश्न शामिल होंगे। परीक्षा का स्थान एवं समय प्रवेश पत्र के माध्यम से सूचित किया जाएगा। द्वितीय चरण में लिखित क्विज में चयनित विद्यार्थियों को फिलैटली प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना होगा। प्रोजेक्ट जमा करने की अवधि 15 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। प्रोजेक्ट के विषय अलग से जारी किए जाएंगे।

योजना में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित आवेदन पत्र अपने निकटतम डाकघर से प्राप्त कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र संबंधित प्रवर अधीक्षक/अधीक्षक डाकघर के कार्यालय में रजिस्टर्ड स्पीड पोस्ट के माध्यम से 20 सितंबर 2026 को शाम 4 बजे तक भेजने होंगे। आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2026-27 अंकित करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी भारतीय डाक विभाग की वेबसाइट तथा संबंधित प्रवर अधीक्षक डाकघर/अधीक्षक डाकघर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

10 साल में उखड़ गई करोड़ों की सड़क, भमोडी-चिचगांव मार्ग बना मौत का रास्ता

स्कूल जा रहे छात्र की साइकिल गड्ढे में गिरकर दो टुकड़ों में बटी, रोजाना हो रहे हादसे

आक्रोशित ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी, विधायक बोले- डीपीआर तैयार, जल्द बनेगी नई सड़क

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर शासन द्वारा पूरे जिले में पक्की सड़कों का जाल बिछाने और गांव-गांव में पक्की सड़क सहित पुल पुलिया के इंतेजाम कर आवागमन व्यवस्था सुगम किए जाने का दावा किया जा रहा है।तो वहीं दूसरी ओर अब भी जिले के कई गांव व क्षेत्र ऐसे हैं, जहां अब तक पक्की सड़क सहित पुल, पुलिया, की सौगात ग्रामीणों को नहीं मिल पाई है।वही जहां स ?को की सौगात दी गई है वहां मेंटेनेंस कार्य न होने के चलते, पूर्व में बनाई गई सड़क टूट फूट होने लगी है और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं जिसके चलते वहां के ग्रामीण सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरस रहे हैं।जिससे ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ते जा रहा है।ताजा मामला परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम भमोडी से चिचगांव बम्हनी तक जाने वाले मार्ग से जुड़ा है।बताया गया की आज से करीब 10 वर्ष पूर्व, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत इस मार्ग का निर्माण कराया गया था। यहां मार्ग जगह-जगह से उखड़ गया है।वही मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं जिससे रोजाना ही इस मार्ग पर हादसे हो रहे हैं जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल मार्ग का मरम्मत कार्य किए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

स्कूल जा रहे छात्र की टूटी साइकिल, 2 हिस्सो में बटी

सड़क की बदहाली का सबसे दर्दनाक दृश्य उस समय सामने आया, जब स्कूल जा रहे एक छात्र की साइकिल गहरे गड्ढे में गिर गई। हादसा इतना गंभीर था कि

साइकिल बीच से टूटकर दो हिस्सों में बंट गई। छात्र को पढ़ाई छोड़कर टूटी हुई साइकिल के साथ वापस घर लौटना पड़ा। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है और ग्रामीण इसे प्रशासन की लापरवाही का प्रत्यक्ष प्रमाण बता रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि एक साधारण साइकिल इस सड़क पर टूट सकती है, तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। कई लोग पहले ही गिरकर घायल हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की नींद अब तक नहीं खुली है।

सुविधा के लिए बनाई सड़क, बन गई परेशानी का सबब

ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाई गई सड़क आज उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी और जानलेवा खतरा बन चुकी है। भमोडी से चिचगांव बम्हनी तक जाने वाला प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का मार्ग पूरी तरह जर्जर होकर हादसों की सड़क में तब्दील हो गया है। करीब 10 वर्ष पहले निर्मित यह सड़क आज जगह-जगह उखड़ चुकी है। बड़े-बड़े गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से सड़क और गड्ढों का अंतर समाप्त हो गया है। हालात ऐसे हैं कि वाहन चालकों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को हर दिन जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है।

5 वर्षो से नही हुआ मरम्मत कार्य

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पिछले पांच वर्षों से सड़क की मरम्मत तक नहीं हुई। बारिश के मौसम में सड़क पर जगह-जगह पानी नहरों की तरह बहता रहता है, जिससे यह समझना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां। दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर गिर रहे हैं, जबकि चारपहिया वाहन भी मुश्किल से निकल पा रहे हैं।

दुर्घटना को आमंत्रण दे रही जर्जर सड़क

गांव-गांव में आवागमन के साधन के लिए सड़क बनाई गई थी पर देख रेख के अभाव एवं गुणवत्ता में कमी के चलते सड़क लगातार जर्जर हो रही हैं।जिसपर सम्बधितों का कोई ध्यान नही है। अब यही सड़क जनता के लिए परेशानी का सबब बनकर आए दिन दुर्घटना को आमंत्रित कर रही हैं मजबूरी में जनता उन बदहाल सड़क पर जान जोखिम में डाल कर आवागमन करने को मजबूर है।

मरम्मत के नाम पर लिपापोती का आरोप

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सड़क मरम्मत के लिए समय-समय पर बजट स्वीकृत होने की बातें सामने आती रही हैं, लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि मरम्मत के नाम पर आने वाली राशि में लीपापोती की गई है। जिसका परिणाम यह है कि सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है और गिट्टियां बाहर निकल आई हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला।वर्षों से सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

रोजाना हो रहे हादसे

बताया गया कि ग्राम भमोडी, सहित चिचगांव बम्हनी और आसपास के गांवों के लोगों के लिए यही मुख्य संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन इसी रास्ते से स्कूली बच्चे विद्यालय पहुंचते हैं, किसान अपनी उपज लेकर बाजार जाते हैं और ग्रामीण इलाज व अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। बारिश के दिनों में सड़क की स्थिति और भी भयावह हो जाती है। बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालक संतुलन खो देते हैं और दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।ग्रामीणों का कहना है कि सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। कई बच्चे साइकिल से गिरकर घायल हो चुके हैं, जबकि बुजुर्ग और महिलाएं भी आए दिन चोटिल हो रहे हैं।

सड़क नही बनी तो करेंगे आंदोलन- ग्रामीण

लगातार हो रही उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों ने अब आंदोलन का रास्ता अपनाने की चेतावनी दी है। स्थानीय ग्रामीण ओमकार रनगीरे और ताराचंद पांचे ने सँयुक्त रूप से बताया कि यदि जल्द सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीण मजबूर होकर उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।ग्रामीणों का कहना है कि विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ग्रामीण आज भी बुनियादी सड़क जैसी सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जल्द बनाई जाएगी सड़क- मधु भगत

मामले को लेकर परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने बताया कि भमोडी से चिचगांव तक नई सड़क निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करा लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग की समस्या गंभीर है और इसे प्राथमिकता में शामिल किया गया है। जल्द ही आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद नई सड़क का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को वर्षों पुरानी परेशानी से राहत मिल सकेगी।

पटवारी संवर्ग ने वर्षों से लंबित 05 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के आव्हान पर प्रदेश के पटवारी संवर्ग ने वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण हेतु तहसील कार्यालय किरनापुर के समक्ष अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी हैं। जानकारी मे संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल द्वारा सतत संघर्षरत होकर विभिन्न माध्यमों से अपनी मांगों को शासन स्तर तक प्रस्तुत करता रहा है। इसी तारतम्य में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री महोदय से मुख्यमंत्री आवास पर भेंट कर अपनी उक्त समस्याओ के निराकरण हेतु पटवारी महाधिवेशन का आमंत्रण दिया गया था। जिसे माननीय महोदय द्वारा स्वीकार कर माह नवंबर 2025 का समय देकर दिनांक व समय पृथक से सुनिश्चित कर संगठन को अवगत कराने का आश्वासन दिया गया था। किंतु संगठन द्वारा लगातार प्रयास के बावजूद भी माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय से महाधिवेशन हेतु कोई तारीख सुनिश्चित की गई तथा ना ही पटवारियों की वर्षों से लंबित न्यायोचित मांगों का न्यायोचित निराकरण कर आदेश प्रसारित किए गये है। जिससे पटवारी संवर्ग खुद को शोषित एवं उपेक्षित महसूस कर रहा है। पटवारी संवर्ग की 05 सूत्रीय मांग जो निम्नानुसार है। जिनमे 1.कैडर रिव्यू लागू एवं पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान :- पटवारी संवर्ग की विगत कई वर्षों से लंबित वेतनमान विसंगति को दूर करने के लिए शासन द्वारा तैयार कैडर रिव्यू का प्रस्ताव जो शासन स्तर पर ही लंबित है। उसे तत्काल लागू किया जाए। वर्तमान में मध्य प्रदेश में प्रदेश के सभी कर्मचारी पदो की पदोन्नति आदेश जारी किए जा रहे हैं, किंतु पटवारी संवर्ग को वंचित रखा गया है। जो अत्यंत अन्यायपूर्ण है। पटवारियों को कैडर रिव्यू का लाभ प्राप्त ना होने तक पदोन्नति का लाभ दिया जाए। इसी प्रकार पदोन्नति से शेष रहे पटवारियों को उसके पदोन्नति पद के सापेक्ष में समयमान वेतनमान का लाभ अति शीघ्र दिया जाए।

इस दौरान पटवारी गजेन्द्र चित्रोव, राजकुमार लिल्हारे, फुलेश मानेश्वर, विनय सोनवाने, प्रवीण बडगैया, सत्यप्रकाश धारणे, शैलेन्द्र गरदे, ज्योति बेलवंशी, साधना लिल्हारे, कविता राजपूत, दामिनी सैयाम सहित बड़ी संख्या मे पटवारी साथियों की मौजूदगी रही।

आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका की अनंतिम चयन सूची जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास परियोजना कटंगी के अंतर्गत आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए एमपी ऑनलाइन द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त वरीयता सूची के आधार पर खण्ड स्तरीय चयन समिति द्वारा आवेदक महिलाओं की अनंतिम चयन सूची तैयार की गई है। इस अनंतिम चयन सूची पर 07 दिनों के भीतर ऑनलाइन चयन पोर्टल पर दावे आपत्ति प्रस्तुत किये जा सकते है। आंगनवाडी केंद्र क्रमांक 02 तिरोडी में कार्यकर्ता के लिए कुमारी नेहा देवांगन को प्रथम, रोशनी खान को द्वितीय एवं अल्फिजा नमरीन अंसारी को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। इसी प्रकार आंगनवाडी सहायिका के लिए आंगनवाडी केंद्र घुनाडी में खिलेश्वरी इडपाचे को प्रथम, आरती चौधरी को द्वितीय व सुषमा करांडे को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। आंगनवाडी केंद्र क्रमांक 03 गोरेघाट में सहायिका के लिए वर्षा जामुनपाने को प्रथम, प्रीति बाघमारे को द्वितीय व रोशनी जामुनपाने को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। आंगनवाडी केंद्र खैरलांजी में सहायिका के लिए सुरेखा उइके को प्रथम, शिल्पा मर्सकोले को द्वितीय व सुलोचना उइके को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। आंगनवाडी केंद्र ग्राम कछार में सहायिका के लिए मात्र 01 आवेदन प्राप्त हुआ था, लेकिन वह ग्राम कछार की निवासी नही होने के कारण उसे अपात्र किया गया है।

ग्राम पंचायत उकवा में पक्की सड़को एवं बाजार परिसर में दुकान के लिए चबूतरा निर्माण एवं शेड निर्माण का किया गया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। उकवा। जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा में साढ़े तीन वर्षों बाद विभिन्न निर्माण कार्यो के किए दिनांक 03/08/2026 दिन-सोमवार को पंचों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती रामबती उयके उपसरपंच शिव शंकर तिवारी द्वारा अनेकों निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया गया सरपंच श्रीमती रामबाती उइके,उपसरपंच शिवशंकर तिवारी एवं सचिव भजन वाल्के द्वारा बताया गया कि 03 अगस्त दिन-सोमवार को वार्ड नंबर 04 मे दुर्गा प्रसाद पटले के घर से बोपचे बाबू के घर तक सीसी सड़क लागत 2.21 लाख इसी तरह वार्ड नंबर 5 एवं 6 में बड़ा देव परिसर से ओम प्लाई तक सीसी सड़क लागत 24.44 लाख । संजय अग्रवाल के घर से बड़ा देव परिसर तक सीसी सड़क लागत 22.18 लाख। मॉयल द्वारा निर्मित सामुदायिक भवन से संजय अग्रवाल के घर तक सीसी रोड लागत 16.88 लाख। इसी तरह वार्ड नंबर 10 में तिहारी बहारे के घर से ब्रम्हे के घर तक सीसी रोड जिसकी लागत करीब 4.01 लाख। वार्ड नंबर 16 में भी तिलकबाबू के घर से मेन रोड तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 1.48 लाख का भूमि पूजन किया गया । इसी प्रकार उकवा बाजार परिसर में व्यापारियों %एवं ग्राम के नागरिकों की परेशानियों को देखते हुए दुकान के लिए चबूतरा,शेड निर्माण कार्य,सीसी रोड ऐव गट्ठू कार्य (पेयर ब्लॉक) का निर्माण कार्य जिसकी लागत करीब 28.94 लाख की राशि से किया जाएगा जिससे व्यापारियों को पाल पर्दे आदि लगाने की जरूरत नहीं पड़ेंगे और धूप बरसात से भी राहत मिलेगी । वार्ड नंबर 4 से वार्ड नंबर 16 तक चले इस भूमि पूजन में सरपंच श्रीमती रामवती उईके ,उप सरपंच श्री शिव शंकर तिवारी ,सचिव श्री भजन वल्के सहायक सचिव प्रीति सहारे पंच श्रीमती रीना जीजोतिया ललिता रौतीया प्रमिला मेश्राम आरती भारद्वाज एवं पंच जैक्सन सारभंग,रमेश कुमार कुमरे,सुमित बांगरे संजय अग्रवाल केस्टो चरण उत्कल नंदा ,संजीव अग्रवाल,परमानंद पारधी एवं ग्रामीण देवीलाल गेडाम अशोक शिव जितेंद्र डहरवाल ललित चौधरी ओम प्रकाश चौकसे भूपेंद्र चौकसे लोकचंद करंडे संजू गुप्ता करुना नायर रेखा आंद्रे अमूल दास आंद्रे ,गणेश ठाकरे,ललित चौधरी,विजेंद्र खांडीकर,दिमागचंद गौतम,राकेश कुर्व,जानकी मर्सकोले ,राजू नागेश्वर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।

इसी प्रकार उपचुनाव 02जनवरी 2026 के बाद नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती रामबती उइके के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश पर उपसरपंच शिवशंकर तिवारी एवं पंचों के देख-रेख में अनेकों निर्माण कार्य कराए गए है ।

उकवा ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए विकास कार्यों में वार्ड क्रमांक 12 साईं मंदिर पानीटोला के पास पक्की सड़क एवं पक्की नाली निर्माण कार्य,वार्ड क्रमांक07 वार्ड क्रमांक 10 एवं वार्ड क्रमांक 11 पानीटोला में पक्की नालियों का निर्माण इसी प्रकार मॉयल द्वारा निर्मित सामुदायिक भवन उकवा का सौंदर्य करण कराया गया ।वार्ड क्रमांक 7 ,वार्ड क्रमांक 12 एवं वार्ड क्रमांक 14 में आरसीसी लघु पुलिया का निर्माण कार्य कराया गया इसी प्रकार ग्राम के चौक चौराहों एवं बाजार परिसर में हाई मास्क लाइट के माध्यम से रोशनी की उत्तम व्यवस्था की गई तथा भीषण गर्मी में पेयजल के समस्या को देखते हुए नलकूपों का जलस्तर नीचे चले जाने के कारण नलकूपों का मरम्मत कार्य एवं समर्शियल पम्प के तथा पानी टैंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना इसी प्रकार उकवा से पोंडी मार्ग का मरम्मत कार्य,वार्ड क्रमांक 06,10,12,13,14,16 ऐव 20 में सड़क मरम्मत छोटे गलियों का मरम्मत कार्य इसी तरह पानी निकासी के लिए वर्षों से बंद पड़ी अनेकों नलिया का कार्य %एवं नाली सफाई कार्य तथा ऋष्टष्ट पाइप लगाकर पूर्व में निर्मित पुलियो के जाम हो जाने के कारण पानी निकासी का कार्य किया जा रहा है।

मर्री टोल नाके को कही और किया जाए शिफ्ट,संयुक्त ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संयुक्त ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मंगलवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर परिवहन व्यवसाय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।एसोसिएशन का कहना है कि जिले में वन संपदा, खनिज, अनाज और खाद्य आपूर्ति सहित अधिकांश आवश्यक वस्तुओं का परिवहन ट्रकों के माध्यम से होता है, लेकिन लगातार बढ़ती समस्याओं के कारण परिवहन व्यवसाय संकट के दौर से गुजर रहा है। बीते तीन वर्षों में लगभग 20 प्रतिशत परिवहनकर्ताओं ने अपना व्यवसाय बंद कर दिया है।ज्ञापन में बताया गया कि बालाघाट शहर से गोंगलई तक का डेंजर रोड पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण मालवाहक वाहनों में लगातार टूट-फूट हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। एसोसिएशन ने प्रशासन से सड़क का मौके पर निरीक्षण कर शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। परिवहनकर्ताओं ने राजा भोज रेलवे ब्रिज पर लगाए गए हाइट बैरियर का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि निर्धारित मानकों के अनुरूप ऊंचाई वाले मालवाहक वाहनों को भी पुल से गुजरने की अनुमति नहीं मिल रही है, जिससे अनावश्यक परेशानी और अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मानक के अनुरूप वाहनों को पुल से आवागमन की अनुमति देने की मांग की।एसोसिएशन ने लवादा-गोंदिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर मर्री स्थित टोल प्लाजा को भी परिवहन व्यवसाय के लिए बड़ी समस्या बताया। उनका कहना है कि बालाघाट के स्थानीय ट्रक केवल खुरसोडी से रजेगांव तक लगभग 12 किलोमीटर हाईवे का उपयोग करते हैं, लेकिन उनसे प्रति वाहन 495 रुपये टोल वसूला जा रहा है, जबकि यह शुल्क लंबी दूरी के मानकों के अनुरूप है। परिवहनकर्ताओं ने मांग की कि टोल प्लाजा को उचित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए अथवा बालाघाट के स्थानीय मालवाहक वाहनों को टोल शुल्क से छूट प्रदान की जाए।

संयुक्त ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन पदाधिकारी ने बताया कि यदि परिवहन व्यवसाय से जुड़ी इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो जिले के परिवहन क्षेत्र पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से समस्याओं का त्वरित समाधान कर परिवहन व्यवसाय को राहत प्रदान करने की मांग की। इस दौरान संयुक्त ट्रक

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष पूरन सिंह भाटिया, सचिव गुरु दयाल भाटिया, कोषाध्यक्ष मनोज पंजवानी, उपाध्यक्ष अजय हरिनखेड़े, संयुक्त सचिव झंकारसिंह लिल्हारे, सदस्य प्रमोद साहू ,कृष्ण कुमार तप, प्रवीण कुमार मेश्राम, अविनाश कुमार ठाकुर,वैनगंगा माल वाहक एसोसिएशन अध्यक्ष विशाल बिसेन सहित ट्रक ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मात्र 12 किमी के लग रहे 500 रु, जितने का डीजल नहीं उतने का लग रहा टोल -अविनाश ठाकुर

ट्रांसपोर्टर अविनाश ठाकुर ने बताया कि नगर से मात्र 12 किमी दूर पर ग्राम मर्री में टोल नाका बनाया गया है जहां से एक तरफ से ट्रक गुजरने का करीब 500 रु टैक्स लिया जा रहा है,जबकि 12 किमी चलने में जितने का डीजल नहीं लग रहा है उनसे कहीं अधिक टोल वसूला जा रहा है जो जनहित में नहीं है, जब टोल नाका बन रहा था तब 3 वर्षों तक लोग परेशान होते रहे,इस टोल से जिलेवासियों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है, इसीलिए इसे शिफ्ट किया जाना चाहिए। या तो इसे लवादा लेकर जाए या फिर महाराष्ट्र बॉर्डर पर लगाए,जनहित के लिए इसे जल्द से जल्द स्थानांतरित किया जाना ही उचित रहेगा।

डेंजर रोड पर कभी भी हो सकता है हादसा- विशाल बिसेन

वैनगंगा माल वाहक एसोसिएशन अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि हमारी प्रमुख तीन मांगे हैं जिंसमे राजा भोज रेलवे ओवरब्रिज बनने के बाद भी उक्त पुल से भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है और ट्रैकों को डेंजर रोड से गुजरा जा रहा है।करीब 25 से 30 टन के ट्रक डेंजर रोड से गुजर रहे हैं लेकिन वहां की सड़क ठीक नहीं है, कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। हमारी मांग है कि उक्त मार्ग का मरम्मत कार्य कराया जाए ,इसके अलावा राजाभोज रेलवे ओवरब्रिज में हाईगेज के चलते ट्रैकों का आवागमन प्रतिबंधित है जबकि वहां से डबल डेकर बसें चलाई जा रही है, हमारी मांग है कि कई माल वाहक कम हाइट के रहते हैं उन्हें राजा भोज ओवर ब्रिज से आवागमन की अनुमति प्रदान की जाए, इसके अलावा मर्री में जो टोल नाका शुरू किया गया है लवादा से उसकी दूरी काफी कम है उस टोल से गुजरने का करीब 500रु का टैक्स लिया जा रहा है, वजन अधिक होने पर अधिभार सहित अलग से टैक्स वसूला जा रहा है, डीजल इतना महंगा है ऊपर से टैक्स भी महंगा वसूल कर रहे हैं इसीलिए हमारी मांग है कि टोल नाके को रजेगांव बॉर्डर पर शिफ्ट किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा, सूपखार पहुंचकर दिए आवश्यक निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस सप्ताहांत प्रस्तावित बालाघाट दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्टर कुमार सत्यम ने 3 अगस्त को सूपखार पहुंचकर कार्यक्रम स्थल एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कुमार सत्यनम ने प्रस्तावित हेलीपैड,

सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा सूपखार पहुंच मार्ग की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर श्री कुमार ने एमपीआरडीसी, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सूपखार पहुंच मार्ग की मरम्मत शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई पुलिया का सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा करने को कहा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की और विभागवार कार्यों की प्रगति की जानकारी दी।

खड़े ट्रैक्टर ने अचानक पकड़ी रफ्तार, पान ठेले में घुसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक छोटी सी लापरवाही भी कभी-कभी बड़े हादसे में तब्दील हो सकती है जिसका एक नजारा मंगलवार की सुबह नगर के बूढ़ी पहुंच मार्ग पर देखने को मिला।जहा एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।दरअसल बूढ़ी रोड़ स्थित साईं पान सेंटर के पास गिट्टी से भरा एक ट्रैक्टर खड़ा था।जो अचानक अपने आप चल पड़ा।जिसने सड़क किनारे खड़ी बुलट व एक स्कूटी को टक्कर मारते हुए सीधे पान ठेले में जा घुसा। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और पान ठेला संचालक सहित आसपास मौजूद लोग बाल-बाल बच गए।

चालू हालत में ट्रैक्टर छोड़कर कही गया था चालक

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना सुबह करीब 10:30 से 11 बजे के बीच की है। बताया गया कि ट्रैक्टर चालक वाहन को चालू हालत में छोड़कर किसी काम से नीचे उतर गया था। इसी दौरान तकनीकी कारणों से ट्रैक्टर स्वत: आगे बढ़ने लगा और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े वाहनों को अपनी चपेट में लेते हुए पान ठेले से जा टकराया।हादसे में बुलेट और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, वहीं पान ठेले को भी भारी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की सूचना मिलने पर यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है।वही दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक द्वारा ट्रैक्टर को चालू अवस्था में छोड़ना हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है, हालांकि तकनीकी खराबी की भी जांच की जा रही है।

108 जननी एक्सप्रेस में सुरक्षित प्रसव

ईएमटी की तत्परता से जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्राम जरेरा से प्रसूति के लिए जिला अस्पताल लाई जा रही एक गर्भवती महिला का 108 जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। ईएमटी की सूझबूझ और तत्परता से जच्चा और नवजात दोनों सुरक्षित हैं। बाद में दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जरेरा निवासी सुनील उइके की 25 वर्षीय पत्नी श्रीमती नंदिनी उइके को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर 108 जननी एक्सप्रेस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जननी एक्सप्रेस गांव पहुंची।जिसमें ईएमटी रेखा भोयर और पायलट मनीष चंदेल मौजूद थे।नंदिनी उइके को प्रसव के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में प्रसव पीड़ा अत्यधिक बढ़ गई और आपातकालीन स्थिति निर्मित हो गई। ऐसे में ईएमटी रेखा भोयर ने अपनी दक्षता और सूझबूझ का परिचय देते हुए एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया।सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा और नवजात को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाकर भर्ती कराया गया। जहां दोनों का स्वास्थ्य सामान्य बताया जा रहा है।इस सफल प्रसव में ईएमटी रेखा भोयर तथा एंबुलेंस पायलट मनीष चंदेल की सराहनीय भूमिका रही। उनकी त्वरित कार्रवाई और सेवा भावना की क्षेत्र में प्रशंसा की जा रही है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई- तीन घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मेहदोली और मानेगांव के बीच दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से तीन लोग घायल हो गए जिनमे एक घायल ओमप्रकाश पिता बृज लाल उइके 50 वर्ष ग्राम मेहदोली निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 4 अगस्त को ओमप्रकाश मोटरसाइकिल में अकेले अपने गांव मेहदोली से कटंगी अपने किसी काम से आ रहे थे। तभी मेहदोली और मानेगांव के बीच सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने ओमप्रकाश की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से ओमप्रकाश और अन्य मोटरसाइकिल में सवार दो युवक भी घायल हो गए। तीनों घायल को कटंगी के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से उन्हें बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जिला अस्पताल में ओमप्रकाश उइके को भर्ती किया गया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है वहीं अन्य दो युवक जो जिला अस्पताल से ही बिना बताए चले गए इस दुर्घटना की जांच कटंगी पुलिस द्वारा की जा रही है।

जनता नहीं, अब प्रशासन पहुंचेगा हितग्राहियों के द्वार, नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम का बड़ा संदेश

पहली प्रेस वार्ता में विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुशासन और फील्ड विजिट को बताया प्राथमिकता

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2017 बैच के अधिकारी कुमार सत्यम ने जिले के नए कलेक्टर के रूप में पदभार संभालने के बाद अपनी कार्यशैली और प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत दे दिया है। पदभार ग्रहण करने के अगले ही दिन मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित अपनी पहली पत्रकार वार्ता में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब प्रशासन सिर्फ कार्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए स्वयं गांव-गांव और हितग्राहियों के द्वार तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता संवेदनशील, जवाबदेह और पारदर्शी प्रशासन देना है, जहां आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए कलेक्टर कुमार सत्यम ने बताया कि यह उनकी पहली कलेक्टर पदस्थापना है। इससे पहले वे उपखंड अधिकारी (एसडीएम), जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित शासन के विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि बालाघाट जैसे महत्वपूर्ण जिले में सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए जिम्मेदारी के साथ-साथ चुनौती भी है और वे पूरी निष्ठा से जिले के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे कार्यालयों में बैठकर काम करने के बजाय नियमित रूप से फील्ड विजिट करें, गांवों में जाएं, लोगों से सीधे संवाद करें और समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि वे ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करना चाहते हैं, जिसमें हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए भटकना न पड़े। अब प्रशासन स्वयं पात्र लोगों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा तभी सफल होगी जब

पात्र व्यक्ति तक समय पर योजनाओं का लाभ पहुंचे और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि पदभार संभालने के पहले ही दिन उन्होंने अडोरी क्षेत्र में बच्चों में फैल रही संक्रामक बीमारी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता में शामिल है और जिला चिकित्सालय सहित स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए लगातार समीक्षा की जाएगी। विशेष रूप से जिला चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। कुमार सत्यम ने कहा कि बालाघाट जिले ने विकास के कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं और पूर्व कलेक्टरों द्वारा शुरू किए गए सकारात्मक कार्यों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है और जो योजनाएं बेहतर परिणाम दे रही हैं, उन्हें और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। नक्सल प्रभावित रहे बालाघाट जिले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। अब आवश्यकता इस बात की है कि जिन क्षेत्रों में वर्षों तक विकास नहीं पहुंच पाया, वहां शासन की योजनाएं और मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता के साथ पहुंचाई जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना प्रशासन का लक्ष्य होगा। कलेक्टर ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि बालाघाट को विकास और सुशासन के हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में बनाए रखने के लिए टीम भावना से कार्य करना होगा। अपनी पहली प्रेस वार्ता में कलेक्टर कुमार सत्यम का फोकस स्पष्ट रूप से जनसरोकार, सुशासन, फील्ड प्रशासन और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिखाई दिया। अब जिले की जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उनके इन वादों और प्राथमिकताओं का असर आने वाले दिनों में जमीनी स्तर पर किस रूप में दिखाई देता है।

सरदार पटेल कॉलेज में छात्रा ने खाया जहरीला पदार्थ, फिर सवालों के घेरे में कॉलेज प्रबंधन

आयुर्वेद की छात्रा जिला अस्पताल में भर्ती, विधायक अनुभा मुंजारे ने पहुंचकर की जांच की मांग, प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले का सरदार पटेल कॉलेज डोगरिया एक बार फिर गंभीर विवादों के केंद्र में आ गया है। इस बार मामला कॉलेज की एक आयुर्वेद की छात्रा द्वारा कथित रूप से जहरीले पदार्थ का सेवन करने का है। छात्रा की हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे स्वयं जिला अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने छात्रा का हालचाल जाना, चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली और पूरे मामले को गंभीर बताते हुए कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े कर दिए। घटना ने एक बार फिर जिले के चर्चित सरदार पटेल कॉलेज की व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। लंबे समय से रजिस्ट्रेशन, फीस, डिग्री वितरण और छात्रों के साथ व्यवहार को लेकर विवादों में रहने वाला यह कॉलेज अब एक छात्रा द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की घटना के कारण फिर सुर्खियों में है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्रा आयुर्वेद पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रही है और कॉलेज के छात्रावास में रह रही थी। बताया जा रहा है कि उसने कॉलेज की लाइब्रेरी में जहरीले पदार्थ का सेवन किया, जिसके बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। आनन-फानन में उसे जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। सूत्रों के अनुसार छात्रा महाराष्ट्र के किसी गांव की रहने वाली बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक अनुभा मुंजारे जिला चिकित्सालय पहुंचीं। उन्होंने छात्रा से बातचीत करने का प्रयास किया, लेकिन उनके अनुसार छात्रा मानसिक रूप से बेहद डरी-सहमी हुई थी। अस्पताल में मौजूद अन्य छात्र-छात्राएं और कॉलेज के शिक्षक भी खुलकर कुछ बोलने से बचते नजर आए। मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि सरदार पटेल कॉलेज लगातार शिकायतों के कारण चर्चा में बना रहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन में देरी की जाती है, कभी डिग्रियां समय पर नहीं दी जातीं और कभी फीस तथा अन्य शुल्क के नाम पर छात्रों पर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है। विधायक ने दावा किया कि उन्हें अपने विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि संबंधित छात्रा पिछले कुछ दिनों से अनुपस्थित थी और इसी आधार पर कॉलेज प्रबंधन द्वारा उस पर अनुपस्थिति शुल्क (एब्सेंट फीस) जमा कराने का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने आशंका जताई कि संभवतः इसी मानसिक तनाव के चलते छात्रा ने यह कदम उठाया। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा निष्पक्ष जांच के बाद ही होगा।

विधायक ने कहा कि यदि किसी छात्र पर आर्थिक या मानसिक दबाव बनाकर उसे इस स्थिति तक पहुंचाया गया है तो यह अत्यंत गंभीर विषय है और इसकी गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों का भविष्य संवारने के लिए होते हैं, उन्हें मानसिक तनाव देने के लिए नहीं। घटना के बाद कॉलेज प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। यदि छात्रा हॉस्टल में रह रही थी और उसने कॉलेज परिसर की लाइब्रेरी में जहरीले पदार्थ का सेवन किया, तो सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी और समय पर हस्तक्षेप को लेकर भी सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। फिलहाल छात्रा का उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है। पुलिस और प्रशासन पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रहे हैं। अभी तक छात्रा की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है और न ही प्रशासन ने घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि की है। हालांकि, विधायक द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में कॉलेज प्रबंधन का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। ऐसे में यह आरोप जांच के अधीन हैं। अब पूरे मामले में सभी की नजर प्रशासनिक जांच पर टिकी है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि छात्रा के इस कदम के पीछे वास्तविक कारण क्या थे और यदि किसी स्तर पर लापरवाही या दबाव की पुष्टि होती है तो जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की जाएगी।

मोटरसाइकिल रोड किनारे पिल्लर से टकराई दो युवक गंभीर

डोरा से परसवाड़ा रोड पर हुई जबरदस्त सड़क दुर्घटना, दोनों घायल युवक जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाने की डोरा पुलिस चौकी क्षेत्र में परसवाड़ा रोड पर स्थित ग्राम अमवाही के पास मोटरसाइकिल रोड किनारे पिल्लर से टकरा गई। इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल में सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। 4 अगस्त को 12:00 बजे करीब यह सड़क हादसा उस समय हुआ जब दोनों युवक उकवा जा रहे थे। दोनों युवक जिनमे उमेश पिता दशवंन लाल ग्वाले 38 वर्ष और देवेश पिता भीमराम क्षीरसागर 29 वर्ष दोनों ग्राम पोगारझोडी थाना परसवाड़ा निवासी। है जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमेश ग्वाले और देवेश क्षीरसागर दोनों अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते हैं उमेश की शादी हो चुकी है और उसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और चार बेटी है। देवेश की शादी नहीं हो पाई है। बताया गया कि 4 अगस्त को उमेश और देवेश मोटरसाइकिल में अपने घर से उकवा काम की तलाश में निकले थे। उकवा में ही उमेश का ससुराल भी है। मोटरसाइकिल देवेश चला रहा था। बताया गया कि इस दौरान दोनों युवक शराब की नशे में थे। 12:00 बजे करीब परसवाड़ा से डोरा रोड पर स्थित ग्राम अमवाही के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल रोड किनारे पिल्लर से टकरा गई। सड़क हादसे में उमेश और देवेश दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हालांकि इस दुर्घटना में उमेश को अत्यधिक चोटे आई। सूचना मिलती ही मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायल को परसवाड़ा के शासकीय अस्पताल में भर्ती किए थे जहां से उन्हें बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है दोनों का इलाज इस जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट